प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

सुविचार

मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। जो व्यक्ति पूरी ईमानदारी और लगन से काम करता है, सफलता एक दिन उसके कदम अवश्य चूमती है।

भारत बनाम अफगानिस्तान- इतिहास रचने की दहलीज पर रोहित शर्मा, इस मामले में बन सकते हैं नंबर वन... » पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 162 | दिनांक : शनिवार, 13 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

मोदी सरकार ने हिमाचल को विकास की नई रफ्तार दी

सड़क, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे में हुए ऐतिहासिक कार्य : नड्डा

जल जीवन मिशन, उज्ज्वला और प्रधानमंत्री आवास योजना से हिमाचल के लाखों परिवारों के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव : नड्डा

» प्रथम न्यूज । शिमला

12 जून (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान के अंतर्गत शिमला में आयोजित बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री तथा भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखे जाएंगे। उन्होंने कहा कि ये 12 वर्ष केवल एक सरकार के कार्यकाल नहीं, बल्कि विकसित भारत की मजबूत आधारशिला रखने वाले परिवर्तनकारी वर्ष हैं।

जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 4399 दिनों तक देश के प्रधान सेवक के रूप में कार्य करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि केवल एक व्यक्ति की नहीं बल्कि देश की 140 करोड़ जनता के विश्वास, समर्थन और आशाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब देश ने आजादी के 75 वर्ष पूरे किए, तब प्रधानमंत्री मोदी ने अमृतकाल का आह्वान करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प रखा था और पिछले 12 वर्षों में उस संकल्प की मजबूत नींव रखी जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश की राजनीति जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार के इर्द-गिर्द घूमती थी। आम नागरिक यह मान चुका था कि सरकारें बदलती हैं लेकिन व्यवस्था नहीं बदलती। जनता ने अपनी परिस्थितियों से समझौता कर लिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सोच को बदलते हुए राजनीति को सेवा, सुशासन और जवाबदेही का माध्यम बनाया। आज आम नागरिक भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने का साहस करता है क्योंकि उसे विश्वास है कि सरकार उसकी सुनेगी।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र दिया। पहले सरकारें सबके वोट से बनती थीं लेकिन किसी एक परिवार, जाति या क्षेत्र तक सीमित हो जाती थीं। आज मोदी सरकार 140 करोड़ भारतीयों की सरकार के रूप में कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके करोड़ों कार्यकर्ताओं ने जिन संकल्पों के लिए दशकों तक संघर्ष किया, प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें पूरा करके दिखाया। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना, अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक जैसी कुप्रथा से मुक्ति दिलाना तथा नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू करना ऐसे ऐतिहासिक निर्णय हैं जिन्हें पहले की सरकारें केवल राजनीतिक कारणों से टालती रहीं।

नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार को लगातार तीसरी बार जनता का आशीर्वाद मिला है। वर्ष 2014 के बाद हुए तीनों लोकसभा चुनावों में भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पिछले वर्षों में हुए 75 प्रमुख चुनावों में से 43 में भाजपा और एनडीए को विजय प्राप्त हुई है। आज देश के 78 प्रतिशत नागरिक भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में रहते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और भाजपा की जनहितकारी नीतियों पर जनता के विश्वास का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश के आधारभूत ढांचे में अभूतपूर्व क्रांति आई है। रेलवे के विद्युतीकरण में 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और हिमाचल प्रदेश में शत-प्रतिशत रेलवे विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। राष्ट्रीय राजमार्गों, सुरंगों, फोरलेन परियोजनाओं और आधुनिक परिवहन नेटवर्क ने देश की तस्वीर बदल दी है। उन्होंने कहा कि आज भारत में विश्वस्तरीय सड़कें और बुनियादी ढांचा तैयार हो रहा है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में 4 लाख 30 हजार किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कें बनाई गई हैं जबकि हिमाचल प्रदेश में 14,400 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़क नेटवर्क विकसित किया गया है। इससे गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि उवला योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है। हिमाचल प्रदेश में लगभग डेढ़ लाख परिवारों को गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। जल जीवन मिशन के माध्यम से देशभर में करोड़ों घरों तक नल से जल पहुंचाया गया है तथा हिमाचल प्रदेश में शत-प्रतिशत घरों को पेयजल सुविधा से जोड़ा गया है।

नड्डा ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत देशभर में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। हिमाचल प्रदेश में लगभग दो लाख शौचालय बनाए गए हैं। यह अभियान केवल निर्माण कार्य नहीं बल्कि महिलाओं के सम्मान और गरिमा की रक्षा का अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए हैं। हिमाचल प्रदेश में भी एक लाख से अधिक परिवार इस योजना से लाभान्वित हुए हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक विस्तार का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 में देश में लगभग 376 मेडिकल कॉलेज थे जो आज बढ़कर 820 से अधिक हो चुके हैं। हिमाचल प्रदेश में चंबा, हमीरपुर और नाहन में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं जबकि बिलासपुर में एम्स की स्थापना प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि भारत आज रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। रक्षा निर्यात में 5700 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और भारत अब दुनिया के अनेक देशों को रक्षा सामग्री निर्यात कर रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल, स्वदेशी रक्षा उपकरण और आधुनिक सैन्य तकनीक भारत की बढ़ती ताकत का प्रमाण हैं।

आतंकवाद और नक्सलवाद पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। भारत अब आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने वाला राष्ट्र बन चुका है। नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से स्थिति में ऐतिहासिक सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता, गगनयान मिशन की तैयारी, मोबाइल निर्माण, सेमीकंडक्टर उत्पादन, डिजिटल इंडिया, वंदे भारत ट्रेनें, आधुनिक एयरपोर्ट और ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क भारत के नए आत्मविश्वास की पहचान हैं। नड्डा ने कहा कि आज का भारत आत्मविश्वासी, सशक्त और विश्व मंच पर नेतृत्व करने वाला भारत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अमृतकाल की ओर अग्रसर है और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए पूर्ण समर्पण और निष्ठा के साथ कार्य कर रहा है।

संक्षिप्त न्यूज

अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में आज हो सकता है शांति समझौता

नई दिल्ली (ब्यूरो)- अमेरिका और ईरान के बीच खाड़ी क्षेत्र में युद्ध रोकने के लिए रविवार तक एक समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। रॉयटर्स को शुक्रवार को पश्चिमी देशों के एक सूत्र ने ये जानकारी दी और बताया कि इसके लिए जिनेवा सबसे संभावित जगह हो सकती है। सूत्र ने बताया कि समझौते की शर्तों को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है और ईरान अपनी इस बात पर अड़ा हुआ है कि समझौते में लेबनान में भी लड़ाई खत्म करने की बात शामिल होनी चाहिए, जहां इज़रायल ईरान समर्थित हिज़्बुल्लाह मिलिशिया से लड़ रहा है।

समझौते को शनिवार तक अंतिम रूप देने का मकसद है, ताकि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कलीबाफ इस पर साइन कर सकें। कोई जगह तय नहीं की गई है, लेकिन जिनेवा का नाम संभावित जगह के तौर पर सामने आ रहा है। ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह ईरान पर नए हमले नहीं करेंगे, क्योंकि समझौता अब तैयार हो गया है। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, हमने अभी-अभी ईरान के साथ युद्ध को लेकर एक शानदार समझौता किया है।

एलन मस्क बने दुनिया के सबसे अमीर शख्स

SpaceX के शेयरों में उछाल के बाद बने पहले खरबपति

नई दिल्ली (एजेंसी)- दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क शुक्रवार को दुनिया के पहले खरबपति बन गए। ऐसा तब हुआ जब उनकी रॉकेट कंपनी SpaceX के शेयरों की कीमत स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग के पहले दिन 11त्न बढ़कर 150 डॉलर हो गई और बाद में बढ़कर लगभग 167 डॉलर तक पहुंच गई, जिससे कंपनी की मार्केट वैल्यू 2.18 ट्रिलियन डॉलर हो गई है।

SpaceX के शेयरों की शुरुआती IPO की कीमत 135 से बढ़कर 150 डॉलर होने के बाद मस्क ट्रिलियनेयर बन गए। उनकी मौजूदा नेट वर्थ में SpaceX और क्लीन एनर्जी कंपनी Tesla में उनके शेयर शामिल हैं। उनके पास अन्य वेंचर्स में भी हिस्सेदारी है, जिनमें न्यूरोटेक्नोलॉजी कंपनी Neuralink और उनके द्वारा शुरू की गई टनल कंपनी 'The Boring Company' शामिल हैं।

पंजाब कांग्रेस में बड़ी हलचल, माकन, नटराजन और जाटव पर्यवेक्षक नियुक्त

दिल्ली (एएम नाथ)- पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने बड़ा ऐलान किया है। पार्टी ने अजय माकन, मीनाक्षी नटराजन और भजन लाल जाटव को पंजाब का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। दरअसल, प्रदेश कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर खींचतान तेज हो गई है, जहां एक गुट मौजूदा अध्यक्ष राजा वाडिंग की जगह पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को प्रदेश अध्यक्ष बनाना चाहता है, जबकि दूसरा गुट इसका विरोध कर रहा है। इस बीच विजय इन्द्र सिंगला भी इस पद की दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं।

माकन की अगुवाई में एक कमेटी गठित

सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष ही नहीं, बल्कि विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा को बदलने पर भी विचार किया जा रहा है। आगामी करीब 8 महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस नेतृत्व कोई बड़ा फैसला लेने से पहले जमीनी हालात का आकलन करना चाहता है। इसी उद्देश्य से अजय माकन की अगुवाई में एक कमेटी गठित की गई है, जो पार्टी नेताओं से रायशुमारी कर अपनी रिपोर्ट हाईकमान को सौंपेगी। इसके आधार पर संगठन में संभावित बदलावों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

अब घुसपैठियों की खैर नहीं...

बॉर्डर पर टेंशन के बीच भारत-बांग्लादेश ने लिए बड़े फैसले

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

12 जून (एएम नाथ)

भारत-बांग्लादेश सीमा पर टेंशन के बीच दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियों ने दिल्ली में हुई बैठक के दौरान इस मुद्दे का हल ढूंढ निकाला। अनजाने में सीमा पार करने और जबरन सीमा पार कराने और दोनों देश सीमा पर होने वाली मौतों जैसे मुद्दों को हल किए जाने को लेकर सख्त नजर आए। 8 से 11 जून तक दिल्ली के क्स्स्न मुख्यालय में चली भारत-बांग्लादेश सीमा समन्वय वार्ता के दौरान दोनों देशों ने बॉर्डर पर शांति बनाए रखने और सुरक्षा को सख्त करने के अपने संकल्प को दोहराया। उनके बीच कई बॉर्डर से जुड़े कई संवेदनशील मुद्दों पर सहमति बनी। जिनमें सीमा पार से होने वाली तस्करी, उग्रवाद पर लगाम कसने, भारतीयों पर होने वालों हमलों पर रोक और घुसपैठ जैसे मुद्दे शामिल रहे।

बॉर्डर पर गश्त होगी और मजबूत

भारत और बांग्लादेश ने सीमा पर शांति, स्थिरता और सौहार्द बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। संयुक्त गश्त को और मजबूत करने, निगरानी बढ़ाने, रियल टाइम सूचना साझा करने और सीमा पार सक्रिय आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने को लेकर भी दोनों देशों के सिक्योरिटी फोर्सेज ने एकजुटता जताई।

तस्करी और मानव तस्करी पर कसेगी लगाम

बैठक में बॉर्डर पार से होने वाले अपराधों पर लगाम कसने का भी समाधान निकाला गया। इनमें नशीले पदार्थों, हथियारों, नकली मुद्रा, सोने और अन्य प्रतिबंधित सामान की तस्करी शामिल का मुद्दा शामिल रहा। साथ ही अवैध घुसपैठ और मानव तस्करी भी मुख्य मुद्दों में शामिल रहा।

सीमा क्षेत्रों के लोगों को जागरूक करेंगे

दोनों देशों का जोर सीमा से जुड़े गांवों और कस्बों के लोगों को अंतरराष्ट्रीय सीमा की संवेदनशीलता के बारे में जागरूक करने पर भी रहा। दरअसल भारत-बंग्लादेश का मानना है कि लोगों में जागरूकता बढ़ाने से अवैध गतिविधियां रोकने में कामयाबी हासिल होगी।

पुंछ में LoC के पास सेना के अभ्यास के दौरान फटा ग्रेनेड, 2 जवान घायल

» प्रथम न्यूज । पुंछ

12 जून (ब्यूरो)

जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल (स्पष्ट) के पास एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। दोपहर करीब 12:30 बजे माल्टी सेक्टर में भारतीय सेना की एक फॉरवर्ड पोस्ट पर नियमित ट्रेनिंग और हथियार संचालन की ड्रिल चल रही थी, तभी गलती से एक ग्रेनेड फट गया। इस अचानक हुए विस्फोट में सेना के दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाके के तुरंत बाद दोनों को प्राथमिक चिकित्सा के लिए पुंछ स्थित 425 फील्ड हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई।

जवानों की स्थिति को देखते हुए सेना ने तुरंत एयर इवैक्यूएशन की व्यवस्था की और शाम तक उन्हें बेहतर इलाज के लिए उधमपुर स्थित नॉर्दर्न कमांड हॉस्पिटल भेज दिया गया। घायल जवानों की पहचान बिहार बटालियन के लांस नायक रविंदर भेरा और अग्निवीर शक्ति प्रसाद के रूप में हुई है।

इस घटना के बाद सेना ने हादसे के कारणों की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश जारी कर दिए हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ट्रेनिंग के दौरान यह चूक कैसे हुई।

हरियाणा शिक्षा विभाग का बड़ा फैसला

सितंबर तक अधिकारियों और कर्मचारियों की विदेश यात्राओं पर रोक

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण और सख्त निर्णय लिया है। विभाग ने तत्काल प्रभाव से अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की विदेश यात्राओं (Ex-India Leave) पर अस्थायी रोक लगा दी है। जारी आदेशों के अनुसार सितंबर महीने तक किसी भी कर्मचारी को निजी या सामान्य कारणों से विदेश जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विभागीय निर्देशों के मुताबिक केवल गंभीर चिकित्सीय आपातकाल (मेडिकल इमरजेंसी) की स्थिति में ही नियमों के तहत विशेष अनुमति प्रदान की जा सकेगी। इसके लिए संबंधित कर्मचारी को आवश्यक और प्रमाणित मेडिकल दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के मद्देनजर लिया गया है। इस अवधि में स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया, शिक्षकों के तबादले, शैक्षणिक व्यवस्थाओं का संचालन और कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य संपन्न किए जाते हैं। ऐसे में अधिकारियों और कर्मचारियों की लंबी अवधि की अनुपस्थिति से स्कूलों की कार्यप्रणाली तथा विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। शिक्षा विभाग का मानना है कि शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए इस समय सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उपलब्धता आवश्यक है। इसी कारण विदेश यात्राओं को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया है।

यह आदेश शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत सभी प्राचार्यों, शिक्षकों तथा गैर-शिक्षकीय प्रशासनिक कर्मचारियों पर समान रूप से लागू होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई कर्मचारी पूर्व स्वीकृति के बिना विदेश यात्रा करता है या आदेशों की अवहेलना करता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि यह कदम शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने और छात्रों के हितों को सर्वोपरि रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

संक्षिप्त न्यूज

लुधियाना में केंद्रीय मंत्री का बड़ा बयान

भाजपा गठबंधन में 'बड़े भाई' की भूमिका निभाएगी

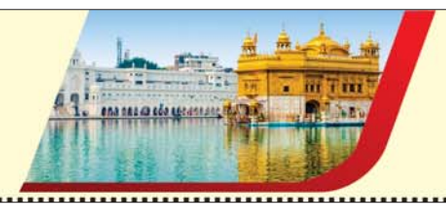

लुधियाना (ब्यूरो) – केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शिरोमणि अकाली दल के साथ संभावित गठबंधन को लेकर बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि अकाली दल भाजपा के साथ गठबंधन करना चाहता है, तो उसे यह समझना होगा कि भारतीय जनता पार्टी अब देश ही नहीं बल्कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और गठबंधन में भाजपा छोटे भाई की भूमिका में नहीं रहेगी।

हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पंजाब की राजनीति में भाजपा लगातार मजबूत हुई है और पार्टी अपने संगठनात्मक विस्तार तथा जनाधार के बल पर आगे बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित गठबंधन में भाजपा बड़े भाई की भूमिका निभाएगी। अकाली दल यदि भाजपा के साथ आने का इच्छुक है तो उसे इस राजनीतिक वास्तविकता को स्वीकार करना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य पंजाब के विकास, सुशासन और जनहित के मुद्दों को आगे बढ़ाना है। पार्टी अपने दम पर भी जनता के बीच मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है। उन्होंने संकेत दिया कि गठबंधन को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व स्तर पर लिया जाएगा, लेकिन भाजपा की स्थिति पहले से कहीं अधिक मजबूत है।

दीनानगर पुलिस ने 10 ग्राम हेरोइन और 1,000 ड्रग मनी के साथ आरोपी गिरफ्तार किया

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – गुरदासपुर पुलिस ने थाना दीनानगर के अंतर्गत एक आरोपी को हेरोइन और ड्रग मनी के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने विशेष चेकिंग के दौरान सुशील उर्फ सुनील नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

नशीले पदार्थ और ड्रग मनी बरामद –पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से निम्नलिखित सामग्री बरामद की गई

10 ग्राम हेरोइन –1,000/– (एक हजार रुपए) ड्रग मनी– इस कार्रवाई के बाद आरोपी के खिलाफ थाना दीनानगर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी)/27(ए)–61–85 के तहत मुकदमा दर्ज रजिस्टर किया गया है।

17 जून के प्रांतीय सम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लेगा पेंशनभोगी संघ, सरकार की नीतियों की निंदा

जालंधर, 12 जून (कुलदीप सिंह)– पंजाब राज्य पेंशनभोगी परिसंघ (पंजीकृत) की त्रैमासिक राज्य स्तरीय बैठक लुधियाना स्थित पेंशनभोगी भवन में राज्य अध्यक्ष करम सिंह धनोआ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संरक्षक अजीत सिंह फतेहचक, कार्यकारी अध्यक्ष पियारा सिंह सहित विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनभोगी संघ के राष्ट्रीय वित्त सचिव श्रीनिवास के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने पंजाब सरकार की कर्मचारी एवं पेंशनभोगी विरोधी नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि सरकार कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की लंबित मांगों के समाधान में विफल रही है।

परिसंघ ने उच्च न्यायालय के निर्णय के बावजूद 16 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) और बकाया राशि का भुगतान न किए जाने पर नाराजगी जताई तथा मांग की कि 30 जून 2026 तक सभी बकाया तुरंत जारी किए जाएं। वक्ताओं ने कहा कि सरकार न्यायालय के फैसले को लागू करने के बजाय कानूनी अड़चनें पैदा कर रही है।

बैठक में पटियाला में सहायक लाइनमैनों पर हुए लाठीचार्ज की भी कड़ी निंदा की गई तथा उन्हें नियमित नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग उठाई गई। सेवा केंद्र कर्मचारियों के नियमितीकरण आंदोलन का भी समर्थन किया गया।

अध्यक्षीय समिति ने सभी जिलों के सदस्यों से 17 जून को जालंधर में आयोजित होने वाले पंजाब सरकारी पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा के राज्य सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। बैठक का समापन राज्य अध्यक्ष करम सिंह धनोआ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

केजरीवाल का ऐलान : 2027 पंजाब चुनाव में भगवंत मान ही होंगे AAP का CM चेहरा

बठिंडा रोड शो में दिखा शक्ति प्रदर्शन, सरकार के कामकाज पर जताया भरोसा, विपक्ष पर केजरीवाल का हमला, पार्टियों के नाम रखकर किया तीखा कटाक्ष

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़/बठिंडा

12 जून (एएम नाथ)

पंजाब के बठिंडा में शनिवार को आम आदमी पार्टी (AAP) ने एक बड़ा रोड शो आयोजित किया, जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल समेत कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में नजर आया।

रोड शो के मंच से अरविंद केजरीवाल ने बड़ा राजनीतिक ऐलान करते हुए कहा कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी भगवंत मान के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी और वही पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा होंगे। इस घोषणा को पार्टी के भीतर एकजुटता और मौजूदा सरकार के प्रदर्शन पर भरोसे के रूप में देखा जा रहा है।

केजरीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि पंजाब की मौजूदा सरकार ने लगभग चार साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है और इस दौरान सरकार के कामकाज को लेकर जनता में संतोष दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि पहले की सरकारों से लोग असंतुष्ट रहते थे, लेकिन अब स्थिति बदल रही है और लोगों को सरकारी नीतियों व विकास कार्यों पर भरोसा बढ़ा है।

इस मौके पर उन्होंने विपक्षी दलों पर भी तीखा हमला बोला। केजरीवाल ने व्यंग्य करते हुए विभिन्न दलों को अलग-अलग नामों से संबोधित किया और कहा कि ये पार्टियां जनता के मुद्दों की बजाय आपसी राजनीति में उलझी रहती हैं। उन्होंने AAP को लोगों की पार्टी बताते हुए कहा कि उनका फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के सुधार पर है।

कार्यक्रम में भारी भीड़ और समर्थकों की मौजूदगी ने इसे एक शक्ति प्रदर्शन में बदल दिया। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह रोड शो आने वाले चुनावों के लिए संगठनात्मक मजबूती का संकेत है।

जालंधर में देर रात फायरिंग

बाइक सवार ने 22 वर्षीय युवक को मारी गोली, हालत गंभीर

» प्रथम न्यूज । जालंधर

12 जून (महेश रहेजा)

जालंधर, शहर में देर रात गोली चलने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। इस फायरिंग में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना बस्ती शेख काला सिंघा रोड स्थित कोट सदीक नहर के पास की है। यहां रहने वाले 22 वर्षीय सौरव पर मोटरसाइकिल सवार एक युवक ने अचानक फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि सौरव गली में खड़ा था, तभी आरोपी वहां पहुंचा और बिना किसी कहासुनी के उस पर गोली चला दी।

गोली लगने के बाद घायल सौरव किसी तरह अपने घर के अंदर पहुंचा, जहां वह गिर पड़ा। उसने परिजनों को बताया कि उसे गोली मार दी गई है। इसके बाद परिवार के सदस्य उसे तुरंत सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों द्वारा उसका इलाज जारी है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

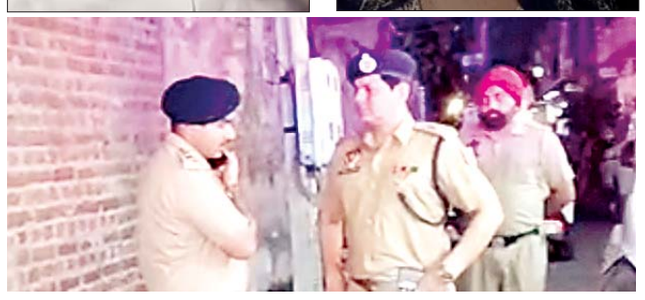

परिजनों के अनुसार, हमलावर युवक भी इसी इलाके का रहने वाला है और घटना के पीछे पुरानी रंजिश होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अभी तक फायरिंग के सही कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी जल्द से जल्द की जा सके।

फिलहाल पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और आरोपी को जल्द ही काबू कर लिया जाएगा। इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

जीरा विकास परिषद के पदाधिकारियों ने डीएसपी जीरा से मुलाकात की।

जीरा, 12 जून (अंग्रेज बराड़) – जीरा नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सुखदेव बिट्टू विजय और जीरा विकास परिषद के संरक्षक चरणप्रीत सिंह सोनू के नेतृत्व में जीरा विकास परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों ने डीएसपी जीरा श्री जसपाल सिंह ढिल्लों के साथ अपनी पहली बैठक की। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने स्थानीय नगर के लोगों की विभिन्न समस्याओं और कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की। मुलाकात करने वालों में संरक्षक सुखदेव बिट्टू विज और अध्यक्ष चरणप्रीत सिंह सोनू, जगदेव शर्मा महासचिव, पुष्पिंदर सिंह हैप्पी कैशियर, गुरबख्श सिंह विज सह–कैशियर, तरसेम लाल जुनेजा चेयरमैन, डॉ. प्रदीप वर्मा हेल्थ प्रोजेक्ट प्रभारी, अनिल बजाज प्रोजेक्ट प्रभारी, हरप्रीत सिंह रीडर, रवि कुमार कानूनगो, हरप्रीत सिंह लाडी, सुरिंदर कुमार शर्मा, हाकम सिंह अरोड़ा अध्यक्ष अरोड़वंश सभा जीरा, रिपन अरोड़ा सलाहकार, संजीव सचदेवा, विनोद ग्रोवर सचिव, प्रताप सिंह हीरा प्रेसीडेंट शामिल थे। सचिव एवं सोनू गुजराल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य।

दिन-दहाड़े फायरिंग से दहला किशनपुरा चौक, कपड़ा शोरूम को बनाया निशाना

» प्रथम न्यूज । जालंधर

12 जून (महेश रहेजा)

जालंधर के व्यस्त इलाके किशनपुरा चौक में उस समय दहशत का माहौल बन गया जब दिन–दहाड़े बाइक सवार दो युवकों ने एक कपड़ा शोरूम के बाहर फायरिंग कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि फायरिंग से शोरूम का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशनपुरा चौक के समीप स्थित BMS Fashion Showroom को अज्ञात बाइक सवार युवकों ने निशाना बनाया। दोपहर के समय बाइक पर आए दो युवक चलते वाहन से ही शोरूम की ओर गोली चलाकर फरार हो गए। गोली लगने से शोरूम के सामने लगा शीशा टूट गया और इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

घटना के दौरान आसपास मौजूद दुकानदार और राहगीर अचानक हुई फायरिंग से सहम गए। कुछ समय के लिए पूरे बाजार क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना शोरूम मालिक और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस और जांच अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है।

सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि दो युवक बाइक पर सवार होकर आते हैं और चलते–चलते शोरूम की ओर गोली चलाते हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी तेज गति से मौके से फरार हो जाते हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की गहनता से जांच की जा रही है। आसपास के इलाकों में लगे अन्य कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की आवाजाही और पहचान का पता लगाया जा सके।

फिलहाल पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के पीछे कोई पुरानी रंजिश, रंगदारी या अन्य कारण तो नहीं है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इस सनसनीखेज घटना ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिन–दहाड़े भीड़भाड़ वाले बाजार में हुई फायरिंग से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

जालंधर में BMS शोरूम पर फायरिंग के बाद 50 लाख की फिरौती की मांग, पुलिस जांच में जुटी

जालंधर के किशनपुरा चौक के निकट स्थित क्क्त्रस्त्रड्डह्यद्धद्बश्ठ्ठ शोरूम के बाहर दिन–दहाड़े हुई फायरिंग की घटना ने शहर में सनसनी फैला दी है। घटना की सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है, क्योंकि शोरूम संचालक को कथित तौर पर 50 लाख रुपये की फिरौती मांगने वाला फोन भी आया है। जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार दो अज्ञात युवक शोरूम के बाहर पहुंचे और फायरिंग कर मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फायरिंग के दौरान शोरूम के शीशे को नुकसान पहुंचा, जबकि गनीमत यह रही कि उस समय वहां कोई ग्राहक मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

सूत्रों के मुताबिक, फायरिंग के बाद आए फोन में आरोपियों ने 50 लाख रुपये की मांग करते हुए धमकी दी। कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग में फिरौती मांगने वालों ने कहा कि अब चाहे एसपी को बुला लो या डीएसपी को, जिससे उनके हौसले बुलंद दिखाई दे रहे हैं। फोन कॉल की रिकॉर्डिंग भी सामने आई बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और इलाके का निरीक्षण किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। साथ ही, फोन कॉल और ऑडियो रिकॉर्डिंग की भी जांच की जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का दावा किया जा रहा है। फायरिंग और फिरौती की इस घटना के बाद इलाके के व्यापारियों में भय का माहौल है।

नगर परिषद चुनाव 2026 : गुरदासपुर, दीनानगर और कादियां, में आज होने वाले मतदान की तैयारियां मुकम्मल

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

12 जून (संदीप सन्नी)

डीसी–कम–जिला निर्वाचन अधिकारी गुरदासपुर आदित्य उप्पल के नेतृत्व में आज 13 जून को नगर परिषद गुरदासपुर, दीनानगर और कादियां में होने वाले चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए प्रशासन वचनबद्ध : इस संबंध में जानकारी देते हुए एडीसी (विकास)–कम–एडिशनल जिला निर्वाचन अधिकारी गुरप्रीत सिंह गिल ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी आदित्य उप्पल की देखरेख में नगर परिषद चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष, स्वतंत्र और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए विभिन्न पोलिंग बूथों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना हो चुकी हैं। चुनाव आयोग के कड़े निर्देशों के तहत सभी पोलिंग बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और किसी भी शरारती तत्व को शांति व्यवस्था भंग करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

मतदान का समय और अपील : एडिशनल जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे आज 13 जून को बिना किसी लालच, डर या भय के अपने संवैधानिक वोट के अधिकार का इस्तेमाल जरूर करें। उन्होंने बताया कि मतदान सुबह 8:00 बजे से शुरू होकर शाम 4:00 बजे तक चलेगा और वोटिंग प्रक्रिया समाप्त होने के तुरंत बाद वोटों की गिनती शुरू कर दी जाएगी। मतदाताओं की अधिक से अधिक भागीदारी हमारे लोकतंत्र को मजबूत करेगी।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम : इस मौके पर एसएसपी गुरदासपुर आदित्य और एसएसपी बटाला डॉ. महिताब सिंह ने बताया कि नगर परिषद चुनावों के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता और सुचारू प्रबंध किए गए हैं, ताकि पूरी मतदान प्रक्रिया अमन–शांति के साथ मुकम्मल की जा सके।

महत्वपूर्ण आंकड़े : उल्लेखनीय है कि इस चुनाव के तहत नगर परिषद गुरदासपुर के कुल 29 वार्डों, नगर परिषद दीनानगर के 15 वार्डों और नगर परिषद कादियां के 15 वार्डों में पार्षदों को चुनने के लिए आज मतदान होना है।

संत सतविंदर हीरा के नेतृत्व में श्री खुरालगढ़ साहिब में आदि धर्म मंडल का 100वां शताब्दी समारोह श्रद्धापूर्वक मनाया गया

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर

12 जून (तरसेम दीवाना)

आदि धर्मी कौम के महानायक, गदरी बाबा, स्वतंत्रता सेनानी और आदि धर्म मंडल के संस्थापक बाबू मंगू राम मुगोवालीया जी द्वारा स्थापित किए गए आदि धर्म मंडल की 100वीं शताब्दी श्री गुरु रविदास चरणछोह ऐतिहासिक धर्म स्थान बेगमपुरा चरणछोह श्री खुरालगढ़ साहिब में बहुत ही श्रद्धापूर्वक मनाई गई। यह समारोह ऑल इंडिया आदि धर्म मिशन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत सतविंदर हीरा के योग्य नेतृत्व में करवाया गया, जिसमें देश–विदेश से भारी संख्या में संगत ने हाजिरी भरी।

इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक हस्तियों ने बाबू मंगू राम मुगोवालीया जी को श्रद्धा के फूल भेंट किए। सभी हस्तियों ने आदि धर्म मिशन को विश्व स्तर पर जन–जन तक पहुंचाने के लिए आपसी एकता और वचनबद्धता का प्रकाश डाला।

बाबू मंगू राम मुगोवालीया जी का ऐतिहासिक योगदान

संगत के साथ विचार साझा करते हुए संत सतविंदर हीरा ने बताया कि आज से 100 साल पहले 11–12 जून 1926 को बाबू मंगू राम मुगोवालीया ने आदि धर्म मंडल की स्थापना की थी। उन्होंने करोड़ों लोगों को अपना धर्म %आदि धर्म%, अपना निशान %सोहं% और %जय गुरुदेव% का नारा दिया। उन्होंने कहा कि बाबू जी ने कौम को आर्थिक खुशहाली, धार्मिक और सामाजिक आजादी के लिए संघर्ष का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा कि इसी संघर्ष की बदौलत समाज को पढ़ाई करने, जमीन खरीदने, वोट डालने, अच्छे कपड़े पहनने और अच्छे घर बनाने के अधिकार मिले, जिसकी बदौलत आज आदि धर्मी कौम के लोग IAS, IPS, MLA, MP और मंत्री जैसे उच्च पदों पर विराजमान हैं।

भविष्य के विकास कार्य और नए प्रोजेक्ट – इस अवसर पर संत सतविंदर हीरा ने समारोह के दौरान बड़े ऐलान करते हुए कहा कि श्री खुरालगढ़ साहिब में सतगुरु रविदास महाराज जी की परम–सेवक मीरां बाई का एक सुंदर और अलौकिक मंदिर और मीरां बाई की गौशाला जल्द ही स्थापित की जाएगी। इसके साथ ही समाज के युवाओं को ढ्ढस्र और ढ्ढक्क्र की कोचिंग देने के लिए एक विशेष कोचिंग सेंटर भी जल्द खोला जाएगा।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व : नड्डा

शिमला (बी. शर्मा)- भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत आज शिमला के प्रतिष्ठित होटल व्यवसायी श्री संजय ठाकुर से होटल कॉम्बरमेर में भेंट की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा एवं होटल व्यवसायी श्री संजय ठाकुर के बीच शिमला में पर्यटन की संभावनाओं, होटल उद्योग के समक्ष चुनौतियों तथा पर्यटन क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पर्यटन और बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति प्रदान की है, जिसका लाभ हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश को मिल रहा है।

बैठक के दौरान श्री नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रकाशित साहित्य भी श्री संजय ठाकुर को भेंट किया। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों में गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, पर्यटन, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे क्षेत्रों में हासिल की गई प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी भी साझा की।

श्री नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों से देश के प्रत्येक वर्ग को लाभ मिला है तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की उपलब्धियों और जनहितकारी नीतियों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर सांसद हर्ष महाजन, सुरेश कश्यप, सिकंदर कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

अंतर जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप में शिमला रेड टीम बनी चैंपियन

शिमला (बी. शर्मा)- अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत संजौली स्थित राजीव गांधी बहुउद्देशीय खेल मंच एवं मैदान में आयोजित 'नशा छोड़ो-खेल खेलो' अंडर-21 पहली एंटी चिट्टा अंतर जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। फाइनल मैच में शिमला रेड और मंडी की टीम आमने-सामने थीं, जिसमें शिमला रेड ने कड़े संघर्ष के बाद 3-2 से जीत दर्ज कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

समापन समारोह में शिमला शहरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक Harish Janartha ने विजेता टीम को रनिंग ट्रॉफी और एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की। वहीं उपविजेता मंडी टीम को 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में मंडी के सियाल को बेस्ट अटैकर, शिमला रेड के कृश को बेस्ट सेटर, कुल्लू के हिमांशु को बेस्ट लिब्रो तथा शिमला रेड के पीयूष को बेस्ट ब्लॉकर चुना गया। विधायक हरीश जनारथा ने कहा कि जिला प्रशासन की यह पहल पूरी तरह सफल रही है। उन्होंने बताया कि पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीमों को भी 20-20 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया। उन्होंने भविष्य में इस मैदान में अंडर-19 प्रशिक्षण शिविरों और अन्य खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन का भी आश्वासन दिया। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (कानून एवं व्यवस्था) पंकज शर्मा ने बताया कि युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 8 से 12 जून तक चली इस प्रतियोगिता में 13 टीमों ने भाग लिया और खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों, अभिभावकों, कोचों और अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में देश को सशक्त नेतृत्व मिला तो वर्षों से रुके असंभव कार्य भी संभव हुए : जयराम ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर शिमला के पीटरहॉफ में आयोजित समारोह में बोले पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष

» प्रथम न्यूज । शिमला
12 जून (बी.शर्मा)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी एवं निर्णायक नेतृत्व में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, आत्मनिर्भरता और विकसित भारत के संकल्प को समर्पित केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को शिमला के पीटरहॉफ में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में प्रबुद्ध जनों और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। इस गरिमामयी कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए केंद्र सरकार की 12 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, साहसिक निर्णयों और राष्ट्रहित में किए गए ऐतिहासिक कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत आज हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रहा है, वैश्विक मंच पर देश की प्रतिष्ठा और साख लगातार बढ़ी है, देश के करोड़ों शोषित-वंचित लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है तथा विकास और सुशासन की

एक नई कार्यसंस्कृति स्थापित हुई है।

उन्होंने रेखांकित किया कि देश आज आत्मनिर्भरता, नवाचार, आधुनिक आधारभूत संरचना, डिजिटल सशक्तिकरण और तीव्र आर्थिक प्रगति के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ते हुए विकसित भारत के विराट लक्ष्य की ओर पूरी दृढ़ता से अग्रसर है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भावुक और ऊर्जावान अंदाज में पार्टी के ऐतिहासिक सफर को याद किया और कहा कि एक समय था जब हम केवल यह सोचते थे कि कब हमारी पार्टी के सांसद चुनकर आएंगे और कब हमारा कोई नेता देश का प्रधानमंत्री बनेगा, लेकिन संगठन के निरंतर परिश्रम और कार्यकर्ताओं की जी-जान से की गई मेहनत के बलबूते पहले हमने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को प्रधानमंत्री के रूप में देखा और फिर जब पार्टी लंबे समय तक सत्ता से बाहर रही, तो देशभर में एक अभूतपूर्व लहर चल पड़ी कि गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी जी को देश की कमान सौंपी जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब देश को नरेंद्र मोदी के रूप में एक मजबूत, राष्ट्रभक्त और दृढ़ इच्छाशक्ति वाला नेतृत्व मिला, तो दशकों से रुके पड़े काम भी धरातल पर मूर्त रूप लेने लगे।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमारी पार्टी लंबे समय तक राम मंदिर निर्माण का नारा लगाती थी, और यह हमारा सौभाग्य है कि हमने अपनी आँखों के सामने राम मंदिर की लंबी अदालती लड़ाई का सुखद अंत देखा और प्रधानमंत्री मोदी के कर-कमलों द्वारा मंदिर की आधारशिला रखने से लेकर भव्य प्राण-प्रतिष्ठा तक के ऐतिहासिक पलों के गवाह बने। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर से धारा 370 का खात्मा हुआ जिससे वहां शान से तिरंगा लहरा रहा है, तीन तलाक जैसी कुप्रथा का अंत हुआ, और गरीब कल्याण की अनगिनत योजनाएं सीधे धरातल पर उतरीं, जिसके परिणामस्वरूप देश की आर्थिकी दुनिया में 11वें स्थान से छलांग लगाकर चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

जयराम ठाकुर ने इस पूरी विकास यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के सराहनीय योगदान की जमकर सराहना की, जिन्होंने लंबे समय तक संगठन में राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री के रूप में कार्य किया और मोदी कैबिनेट में भी हिमाचल के हितों की पुरजोर पैरवी की, जिससे राज्य को केंद्र से हमेशा रिकॉर्ड मदद मिली।

उन्होंने स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के लिए प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल की टीम और संगठन महामंत्री सिद्धार्थन के कुशल प्रबंधन को सराहा तथा समय-समय पर मार्गदर्शन व फीडबैक देने के लिए जे.पी. नड्डा जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी जी का यह 12 वर्ष का कार्यकाल पूरी तरह अतुलनीय और भारत के पुनरुत्थान का स्वर्ण काल रहा है।

हिमाचल में ग्रीन ट्रांसपोर्ट की बड़ी पहल

50 ई-चार्जिंग स्टेशन शुरू, जल्द दौड़ेंगी इलेक्ट्रिक बसें

297 इलेक्ट्रिक बसें हिमाचल पहुंच रहीं, 35 जगहों पर चार्जिंग सुविधा तैयार

» प्रथम न्यूज । शिमला
12 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण कम करने की दिशा में राज्य सरकार और एचआरटीसी ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य में जल्द ही कई रूटों पर इलेक्ट्रिक बसें चलती नजर आएंगी। इसके लिए 297 नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की गई है, जो धीरे-धीरे प्रदेश में पहुंचनी भी शुरू हो गई हैं। परिवहन निगम ने इन बसों के सुचारु संचालन के लिए प्रदेश के 35 स्थानों पर 50 ई-चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं। इनमें बस स्टैंड और वर्कशॉप दोनों शामिल हैं, ताकि बसों को चार्जिंग और मेंटेनेंस की सुविधा एक ही स्थान पर मिल सके। मंडी, सुंदरनगर, कुल्लू, मनाली, देहरा, हमीरपुर, ऊना, बिलासपुर, सोलन, शिमला, नाहन, पालमपुर और धर्मशाला सहित कई प्रमुख स्थानों पर ये स्टेशन लगाए गए हैं।

एचआरटीसी के अधिकारियों के अनुसार, इलेक्ट्रिक बसों के आने से न केवल डीजल पर निर्भरता कम होगी, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण में भी बड़ी मदद मिलेगी। खासकर पहाड़ी राज्यों में स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए यह पहल बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आने वाले महीनों में इन बसों को विभिन्न रूटों पर चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा, जिससे यात्रियों को एक आधुनिक, पर्यावरण अनुकूल और आरामदायक यात्रा सुविधा मिल सकेगी।

सिहुंता छिंज मेले में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने की शिरकत

चम्बा (सिहुंता) (एएम नाथ)- विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने भटियात विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिहुंता में छिंज मेला कमेटी सिहुंता द्वारा 11 जून को आयोजित पारंपरिक छिंज मेले में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

इस अवसर पर उन्होंने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 की कुश्ती प्रतियोगिता में ग्राम पंचायत खरगट निवासी नवीश कुमार (नवू) को स्वर्ण पदक जीतने पर 51हजार की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधानसभा अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि मेले, उत्सव और त्योहार हमारी समृद्ध लोक संस्कृति एवं परंपराओं का अभिन्न अंग हैं। ऐसे आयोजन न केवल लोगों को मनोरंजन का अवसर प्रदान करते हैं बल्कि समाज में आपसी भाईचारे, सद्भाव, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है तथा खेलों के माध्यम से युवाओं को अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की प्रेरणा मिलती है। नवीश कुमार की उपलब्धि क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

सलूणी कॉलेज का बी.ए. अंतिम वर्ष का परिणाम शत-प्रतिशत, प्राची राणा बनीं ओवरऑल टॉपर

सलूणी महाविद्यालय ने रचा नया कीर्तिमान, बी.ए. अंतिम वर्ष में सभी विद्यार्थी सफल

» प्रथम न्यूज । सलूणी
12 जून (एएम नाथ)

राजकीय महाविद्यालय सलूणी ने एक बार फिर उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करते हुए बी.ए. अंतिम वर्ष की परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है।

महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक परीक्षा उत्तीर्ण कर संस्थान तथा क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। इस शानदार उपलब्धि से महाविद्यालय परिसर में हर्ष का माहौल है।

परीक्षा परिणाम में प्राची राणा ने 7.92 सीजीपीए प्राप्त कर ओवरऑल प्रथम स्थान हासिल किया। साक्षी ठाकुर ने 7.79 सीजीपीए के साथ द्वितीय तथा आकांक्षा ने 7.76 सीजीपीए प्राप्त कर तृतीय स्थान अर्जित किया। वहीं बी.ए. कक्षा के जीपीए प्रदर्शन में आकांक्षा ने 8.18 जीपीए के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। प्राची राणा ने 8.11 जीपीए के साथ दूसरा तथा साक्षी ठाकुर ने 8.07 जीपीए के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहिंदर कुमार सलारिया ने इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा अध्यापकों को हार्दिक बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और महाविद्यालय में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणामों में उत्कृष्टता प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना भी है।

डॉ. सलारिया ने विद्यार्थियों से भविष्य में भी इसी प्रकार परिश्रम और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महाविद्यालय के विद्यार्थी उच्च शिक्षा, शोध तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

महाविद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस शत-प्रतिशत परिणाम ने एक बार फिर राजकीय महाविद्यालय सलूणी की शैक्षणिक गुणवत्ता और उत्कृष्ट परंपरा को स्थापित किया है।

जनगणना के बोझ तले दब रही शिक्षा, शिक्षकों ने उठाए सवाल

दुर्गम क्षेत्रों में अध्यापकों पर बढ़ता अतिरिक्त भार, पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका, 'शिक्षक पढ़ाएं या जनगणना करें?' सरकारी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था पर चिंता

» प्रथम न्यूज । चंबा
12 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों पर लगातार बढ़ रहे गैर-शैक्षणिक कार्यों को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। चुनावी ड्यूटी, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अब जनगणना कार्यों में शिक्षकों की तैनाती के कारण विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। विशेषकर चंबा जैसे दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले जिले में अध्यापकों से विद्यालय समय के बाद जनगणना कार्य करवाने के निर्णय पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

जिले के कई विद्यालय ऐसे क्षेत्रों में स्थित हैं जहां पहुंचने के लिए शिक्षकों को घंटों पैदल सफर करना पड़ता है।

खराब सड़कें, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्ते और आगामी बरसात का मौसम उनकी कठिनाइयों को और बढ़ा सकता है। ऐसे में पूरे दिन अध्यापन कार्य करने के बाद अतिरिक्त प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाना शिक्षकों के लिए चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

शिक्षकों का कहना है कि वे केवल सरकारी कर्मचारी नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य निर्माता हैं। यदि उनका अधिकांश समय और ऊर्जा गैर-शैक्षणिक कार्यों में खर्च होगी तो इसका सीधा प्रभाव विद्यार्थियों की पढ़ाई, शैक्षणिक उपलब्धियों और शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ेगा। लगातार अतिरिक्त कार्यों से शिक्षकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

शिक्षा से जुड़े लोगों का मानना है कि जनगणना राष्ट्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, लेकिन शिक्षा भी देश के भविष्य की नींव है। इसलिए दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। उनका सुझाव है कि जनगणना कार्य के लिए बेरोजगार शिक्षित युवाओं, आउटसोर्स कर्मियों अथवा विशेष रूप से नियुक्त गणनाकारों की सेवाएं ली जा सकती हैं।

इससे युवाओं को रोजगार और अनुभव मिलेगा, जबकि विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियां भी बिना बाधा जारी रह सकेंगी।

शिक्षकों और शिक्षा प्रेमियों ने सरकार से मांग की है कि विद्यालयों में शिक्षण कार्य को प्राथमिकता दी जाए तथा शिक्षकों को अनावश्यक गैर-शैक्षणिक दायित्वों से राहत प्रदान की जाए। उनका कहना है कि यदि शिक्षक पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ कक्षाओं में उपस्थित रहेंगे, तभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी और राज्य का शैक्षिक स्तर मजबूत होगा।

एनटीपीसी कोलडैम परियोजना जल पर्यटन और रोजगार सृजन का बने केंद्र: राजेश धर्माणी

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
12 जून (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम)

हिमाचल प्रदेश के तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री Rajesh Dharmani ने गुरुवार को एनटीपीसी कोलडैम हाइड्रो पावर परियोजना का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पावर हाउस का निरीक्षण कर परियोजना से जुड़ी तकनीकी जानकारियां प्राप्त कीं तथा मोटर बोट के माध्यम से कोलडैम झील का अवलोकन भी किया।

एनटीपीसी प्रबंधन के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि जिला बिलासपुर में जल पर्यटन और वाटर स्पोर्ट्स की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कोलडैम परियोजना के निर्माण से बनी विशाल झील को पर्यटन गतिविधियों के विकास के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने परियोजना प्रबंधन से जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर जल पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

राजेश धर्माणी ने युवाओं से पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण से स्थानीय युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि एनटीपीसी, तकनीकी विश्वविद्यालयों, पर्यटन विभाग और अन्य संस्थानों के सहयोग से होम-स्टे संचालन संबंधी विशेष पाठ्यक्रम विकसित किए जाएं, ताकि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण पर्यटन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके।

मंत्री ने कहा कि दो प्रमुख फोरलेन परियोजनाओं से जुड़ने के कारण बिलासपुर में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना है, ऐसे में होम-स्टे गतिविधियों का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने एनटीपीसी की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी लाडा और सीएसआर फंड के माध्यम से स्थानीय विकास कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है तथा बालिकाओं के सशक्तिकरण और कौशल विकास के लिए भी सराहनीय प्रयास कर रही है। बैठक में एनटीपीसी कोलडैम परियोजना के परियोजना निदेशक शेषागिरी राव सत्तिराजु ने परियोजना की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रशासनिक एवं परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गर्मी से राहत के लिए बच्चों ने स्कूल में ही लगा दी ठंडे पानी की छबील

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
12 जून (जितेंद्र गौतम)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी में अत्यधिक गर्मी से परेशान हो रहे छात्रों ने स्कूल में ही प्रधानाचार्य से अनुमति लेकर छबील लगाकर सभी के लिए ठंडे पानी सहित मीठे तरबूज और चने बांट कर, समाज सेवा की अनूठी मिसाल पेश की। प्रधानाचार्य सुरजीत ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा बाहरवीं के विद्यार्थी उनके पास आए और अपनी इस छबील लगाने की योजना पर चर्चा की, बच्चों की समाज सेवा की इस भावना को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानाचार्य ने तुरंत हामी भर दी और जब इसकी जानकारी स्टॉफ सदस्यों को मिली तो सभी ने अपना अपना आर्थिक सहयोग बच्चों को देने की बात कहीं इस पर कक्षा बाहरवीं के छात्रों का मत था कि एक दिन की छबील हम सभी छात्र अपने अपने खर्च से लगाएंगे और अध्यापकों से मिले सहयोग से किसी अन्य दिवस पर पुन: छबील लगाई जाएगी

प्रधानाचार्य सुरजीत ठाकुर ने बच्चों और स्टॉफ की भावना को सम्मान देते हुए दिनांक 11जून को और दिनांक 14जून को अर्ध अवकाश के समय छबील लगाने की अनुमति प्रदान कर दी।

आज लगभग 100बच्चों और अध्यापकों ने इस ठंडे पानी, चने और तरबूज का आनंद लेकर गर्मी से राहत पाई। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य नीलम जी, प्रवक्ता अंग्रेजी अनुराधा शर्मा, राजेश शर्मा हरप्रीत कौर सतनाम कौर रेखा अत्री रेणु शर्मा प्रमोद ठाकुर शैली अग्निहोत्री सुमन ठाकुर, बलबीर सिंह,कश्मीर सिंह वरिष्ठ सहायक शीला दर्शना डिंपी सहित सभी विद्यालय अध्यापक एवं बच्चे उपस्थित रहे।

15 जून से पहले सभी अधिकारी और कर्मचारी सुनिश्चित करें स्वयं-गणना : उपायुक्त

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)- जनगणना 2027 के अंतर्गत स्वयं-गणना अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से आज उपायुक्त कार्यालय के बचत भवन में उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार की अध्यक्षता में सभी बैठक आयोजित की गई।

उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अभी तक स्वयं-गणना नहीं की है, उन्हें शीघ्र इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए तथा आगामी 15 जून की निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व शत-प्रतिशत स्वयं-गणना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा प्रभावी नीति निर्धारण का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक और सरकारी कर्मचारी की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपने-अपने विभागों में जनगणना के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा आमजन को भी स्वयं-गणना के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा और जनगणना 2027 के सफल आयोजन में जनसहयोग को और अधिक मजबूती मिलेगी।

बैठक के दौरान रिसर्च ऑफिसर ललित शर्मा ने उपस्थित अधिकारियों को स्वयं-गणना प्रक्रिया की जानकारी देते हुए उनकी स्वयं-गणना सफलतापूर्वक संपन्न करवाई।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

जालसाजी और तस्करी से निपटने के लिए मजबूत कानून और सहयोग जरूरी : स्पेशल डीजीपी अमरदीप सिंह राय

चंडीगढ़, 12 जून (जगमीत घुम्मन)– पंजाब पुलिस के स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) mardeep Singh Rai ने कहा कि जालसाजी और तस्करी जैसी गैर-कानूनी गतिविधियां देश की अर्थव्यवस्था, वैध कारोबार और उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए मजबूत कानून, बेहतर प्रवर्तन और सभी संबंधित पक्षों के बीच समन्वय आवश्यक है।

पुलिस अकादमी फिल्लौर में फिक्की कास्केड द्वारा आयोजित 'जालसाजी और तस्करी से निपटना- प्रभावी प्रवर्तन के लिए रणनीति' विषयक क्षमता निर्माण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नकली सामान और तस्करी न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि संगठित अपराध नेटवर्क को भी बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, सरकारी प्रतिनिधियों, कानूनी विशेषज्ञों और उद्योग जगत के सदस्यों ने भाग लिया। पंजाब सरकार के जेल विभाग के सचिव Mohammad Tayyab ने आर्थिक अपराधों से निपटने के लिए संस्थागत तैयारी और आधुनिक कौशल विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

पंजाब सरकार के अतिरिक्त गृह सचिव Ankurjeet Singh ने कहा कि नकली सामान और तस्करी अब संगठित अपराध से जुड़ चुके हैं, इसलिए खुफिया आधारित पुलिसिंग और एजेंसियों के बीच सहयोग जरूरी है।

फिक्की कास्केड के सलाहकार Deep Chand और आईटीसी लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट Ashish Paul ने भी गैर-कानूनी व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए उद्योग और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच मजबूत साझेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया।

दिव्यांग पात्रों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें अधिकारी : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 12 जून (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सभी विभागों, कार्यालयों में दिव्यांग अधिकारियों, कर्मचारियों की पदोन्नति में आरक्षण के लिए रोस्टर रजिस्टर को अपडेट करवाकर रखना सुनिश्चित किया जाए। कार्यालय में दिव्यांग लाभपात्रों की पेंशन स्वीकृत करने तथा उनकी शिकायतों का निपटान करवाने में भी तत्परता की जाए। प्रत्येक कार्यालय के अधिकारी दिव्यांग पात्रों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि जिला में विशिष्ट दिव्यांग प्रमाण पत्र 11088 यूडीआईडी कार्ड जारी हो चुके हैं और लगभग 300 के करीब नए आवेदन ही लंबित हैं, क्योंकि यह प्रक्रिया ऑनलाइन है। इस कार्यालय द्वारा लंबित आवेदनों के निपटान के लिए सप्ताह में दो दिन जिला स्तर पर बुधवार व वीरवार को दिव्यांगता शिविर का आयोजन किया जा रहा है और माह के दूसरे सप्ताह के शुक्रवार को सीएससी लाडवा में दिव्यांगता के विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्कूल हेल्थ प्रोग्राम के तहत वर्ष में एक बार विशेष शिविर का आयोजन राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल कुरुक्षेत्र में किया जाता है और आशा वर्कर्स के माध्यम से गांव-2 में जाकर भी ऑनलाइन दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दिव्यांगजनों को जागरूक किया जा रहा है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सभी सरकारी भवन दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाए जाए। दिव्यांगों के आने जाने के लिए रैम्प आदि की व्यवस्था मुहैया करवाई जाए। स्कूलों में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए शौचालय आदि भी दिव्यांगजन के अनुकूल बनाए जाएं, ताकि उनको किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पढ़े। उन्होंने कहा कि ऐसे भवनों को चिन्हित करते हुए जोकि दिव्यांगों के अनुकूल नहीं है, उन्हें दिव्यांगों के अनुकूल बनाने के लिए कार्यवाही की जाए।

उन्होंने कहा कि जिला में कार्यरत गैर सरकारी भवन जैसे कि होटल, बैकेट हाल, सामुदायिक भवन आदि नगरपालिकाओं के अधीन कार्य करते हैं। इन भवनों को भी दिव्यांगजन के अनुकूल बनाया जाए। इस बिन्दु पर अध्यक्ष महोदय द्वारा नगरपरिषद् थानेसर व अन्य नगर पालिका से जानकारी लेने बारे निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बैंकों को भी दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाने के लिए कार्यवाही की जाए। बैंकों को दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाने के लिए कार्यवाही करने बारे जिला अग्रणी बैंक कुरुक्षेत्र प्रबंधक से पत्राचार किया जाए। इसके साथ ही जिला कुरुक्षेत्र में धार्मिक स्थलों, मंदिरों को भी दिव्यांगों के अनुकूल बनाने के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड से भी पत्राचार किया जाए।

इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुरजीत कौर, उप सिविल सर्जन डॉ विमल कुमार, जिला रेड क्रॉस सोसाइटी सचिव रमेश चौधरी, टिंकू शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

जनता के लिए कार्यालय और आवास चौबीसों घंटे खुला- मुख्यमंत्री

समाज एवं राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करें, आप पार्टी ने लोगों को झूठ बोलकर बरगलाने का किया कार्य -नायब सिंह सैनी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता के लिए मुख्यमंत्री का कार्यालय और आवास चौबीसों घंटे खुला रहता है। समाज कल्याण व अधिकारों की रक्षा के लिए, नीतिगत या व्यक्तिगत रूप से कार्य करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को पंजाब के राजपुरा में सैनी समाज वेलफेयर कमेटी द्वारा आयोजित सैनी महासम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। कमेटी द्वारा मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। मुख्यमंत्री ने कई सामाजिक कार्यकर्ताओं को शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजपुरा की इस वीर, पावन और ऐतिहासिक धरा पर सैनी समाज के इस विशाल महासम्मेलन में आकर अत्यंत गौरव की अनुभूति हो रही है। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए वेलफेयर कमेटी के पदाधिकारियों बधाई देते हुए कहा कि यहां आने पर उनका गला भरोसे नाल भर गया है जिस जागरूक और संगठित समाज ने एकजुटता का परिचय दिया है।

समाज के हकों की रक्षा के लिए की जाएगी जोरदार पैरवी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि समाज एवं राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें तभी पंजाब को भी समृद्ध एवं खुशहाल बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के हकों की रक्षा के लिए जोरदार पैरवी की जाएगी। सैनी समाज को अब मूक दर्शक या समर्थक बनकर नहीं रहना है, बल्कि राजनीतिक क्षेत्र में अग्रणी और निर्णायक भूमिका निभानी होगी।

पंचायत से लेकर विधानसभा और संसद तक समाज की सशक्त और गूंजती हुई भागीदारी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चुनाव में आप पार्टी ने अनेक वादे करके पंजाब के लोगों को झूठ बोलकर बरगलाने का कार्य किया। आज जनता स्वयं को ठगा सा महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री ने किसानों को 20 हजार रुपए देने की बात कही जबकि आप पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में 50 हजार रूपए देने की कही। यह भ्रष्टाचारी सरकार केवल शोषण करने का कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री ने मोहाली राजपुरा रेल बाईपास निर्माण को दी मंजूरी

श्री नायब सिंह सेनी ने कहा कि पंजाब में हरियाणा की तर्ज पर जनकल्याणकारी नीतियां लागू की जाएगीं। पंजाब में प्रधानमंत्री ने 7500 करोड़ रुपए की लागत से नए रास्ते खोलने का कार्य किया है। इससे 64 हजार से अधिक युवाओं के लिए रोजगार सृजन होगा। इसके अलावा 1387 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। लगभग 1400 करोड़ रुपए की लागत से मोहाली राजपुरा रेल बाईपास निर्माण को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा नशे को खत्म कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर जुटाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजपुरा की ऐतिहासिक धरा का महत्व है। यह समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का जागृत केंद्र है। पूरा क्षेत्र पंजाब, हरियाणा और पूरे देश की प्रगति को आपस में जोडने वाला मजबूत प्रवेश द्वार है। इस माटी ने देश को एक से बढ़कर एक मेहनतकश किसान, जांबाज सैनिक और निस्वार्थ समाजसेवी दिए हैं। सामाजिक क्रांति के अग्रदूत ज्योतिबा फुले, देश की पहली शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले जैसे देश के बहुमूल्य रत्न समाज ने दिए हैं। जिन्होंने विशेष रूप से महिला शिक्षा और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए क्रांतिकारी कार्य किए। उन्हीं की बदौलत समाज सम्मान के साथ सिर उठाकर जी रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय और अध्यात्मिक राह दिखाने वाले संत लिखमीदास, बल्लभगढ़ रियासत के सेनापति गुलाब सैनी तथा खेल की दुनिया में भारत का डंका बजाने वाले जादूगर मेजर ध्यानचंद के अलावा चण्डीगढ के रॉक गार्डन निर्माता पद्मश्री नेकचंद सैनी जैसी विभूतियां समाज का गौरव हैं जिन्होंने देश दुनिया में समाज का नाम रोशन किया। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ही ओ.बी.सी. आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया, जो कि एक ऐतिहासिक और युगांतकारी कदम था। मेडिकल और उच्च शिक्षा में ओ.बी.सी. वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देकर शिक्षा के बंद द्वारों को हमेशा के लिए खोल दिया गया। इसी का परिणाम है कि आज देश के विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों में पिछड़े वर्ग के युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में पहली बार पंजाब से ओ.बी.सी. समाज के वरिष्ठ नेता सरदार इकबाल सिंह लालपुरा को पार्टी के सर्वोच्च नीति-निर्धारक संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया है। यही नहीं, केंद्र सरकार और जहां-जहां भी भाजपा की सरकारें हैं, वहां ओ.बी.सी. समाज को उनका पूरा प्रतिनिधित्व और मान-सम्मान दिया जा रहा है। सम्मेलन में सैनी समाज कल्याण समिति के सर्कल चेयरमैन जैलदार जसविंदर सिंह सैनी, महिन्दर सैनी, प्रधान जतिन्दर सैनी, चेयरमैन गुरनाम, अंगद सैनी, गुरदर्शन सैनी, रणबीर सिंह, सर्वजीत कौर, एमसी लक्की, दविन्दर सैनी सहित भारी संख्या में समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने गरीब व्यक्ति को विकास की धारा में लाने का किया काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब से देश की बागडोर सम्भाली है, तब से नई नीतियां बनाई और लागू की हैं जिनसे गरीब व्यक्ति को विकास की धारा में लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में गुरू तेग बहादुर जी का 350वां प्रकाश पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया और उनके नाम पर सिरसा विश्वविद्यालय में चेयर स्थापित की गई, फरीदाबाद में चौक, धमतान साहिब में रास्ता, यमुनानगर में वन व द्वार, अम्बाला में पोलटेक्निक का नामकरण किया है।

84 के दंगों के पीड़ित परिवारों को दी सरकारी नौकरी

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरू जी के नाम पर छछरौली में कृषि महाविद्यालय बनाया जा रहा है जिसका कार्य जल्द ही आरम्भ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कुरूक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में गुरू जी की शिक्षाओं को आगे बढाने के लिए डाक टिकट एवं सिक्का जारी किया। हरियाणा में 84 के दंगों में पीड़ित परिवारों को सरकारी नौकरी देने के अलावा डायलिसेस रोगियों का राज्य के सभी अस्पताल में निशुल्क ईलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान किए गए 217 संकल्पों में से 63 पूरे कर दिए हैं और 157 पर तेजी से कार्य चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की सभी फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही हैं तथा सब्जियां, आलू आदि को भावांतर भरपाई योजना में शामिल किया गया है ताकि किसानों को उचित दाम मिल सके। महिलाओं को 500 रुपए में सिलेंडर, फसल विविधीकरण अपनाने वाले किसानों को 8 हजार रुपए की सब्सिडी, महिलाओं को 2100 रुपए की राशि देने का कार्य किया जा रहा है। बुजुर्गों, दिव्यांगों, विधवा महिलाओं को पेंशन, दीनदयाल लाडो लक्ष्मी जैसी योजनाओं का लाभ हर माह 10 तारीख को बटन दबाकर दिया जा रहा है।

कुल्लू हिमाचल प्रदेश से चरस लेकर आए चंडीगढ़ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में एक और आरोपी को किया गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ पुलिस के एसएसपी (सिक्योरिटी एवं ट्रैफिक) सुमेर प्रताप सिंह, आईपीएस के निर्देशों, तथा डब्ल्यू/एसपी (सिटी) के.एम. प्रियंका और एसडीपीओ (साउथ-वेस्ट) धीरज कुमार के मार्गदर्शन में थाना मलोया पुलिस को एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में बड़ी सफलता मिली है।

थाना मलोया के एसएचओ इंस्पेक्टर बलदेव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पहले ही तीन आरोपियों – राजिंदर सिंह (58 वर्ष), हनी (36 वर्ष) और अवतार सिंह (43 वर्ष) – को गिरफ्तार किया था। इनके खिलाफ थाना मलोया में एफआईआर नंबर 80 दिनांक 9 जून 2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपी राजिंदर सिंह के खुलासे के आधार पर पुलिस ने रमेश चंद पुत्र देव कृष्ण निवासी गांव बेसर, तहसील एवं जिला कुल्लू (हिमाचल प्रदेश), उम्र 33 वर्ष को भी गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 9 जून 2026 को थाना मलोया की टीम ने सत्संग भवन, मलोया के निकट तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 1493 ग्राम चरस बरामद की थी। बरामदगी में राजिंदर सिंह से 496 ग्राम, हनी से 501 ग्राम तथा अवतार सिंह से 496 ग्राम चरस बरामद हुई थी।

आगे की जांच में राजिंदर सिंह ने खुलासा किया कि उसने यह चरस कुल्लू क्षेत्र से खरीदी थी। उसके बयान के आधार पर पुलिस ने कुल्लू निवासी रमेश चंद को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 797 ग्राम चरस और बरामद की है।

चंडीगढ़ पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा नशा तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने दोहराया कि नशे के कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सरकार की प्रो-एक्टिव नीति से 41 हजार 853 लोगों की घर बैठे बनी पेंशन : डीसी अपराजिता

- पिछले 12 वर्षों में सरकार ने कई बार बढ़ाई पेंशन की राशि

» प्रथम न्यूज । कैथल
12 जून (कृष्ण गर्ग)

डीसी अपराजिता ने कहा कि केंद्र सरकार के पिछले 12 वर्ष के कार्यकाल के दौरान आमजन के कल्याणार्थ अनेकों योजनाएं चलाई लागू की गई। जिनका सीधा लाभ जिले के पात्र लोगों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंच रहा है। वहीं हरियाणा सरकार ने भी आमजन के जीवन को आसान बनाने के लिए अनेकों कदम उठाए हैं। इनमें एक है सरकार की प्रो-एक्टिव नीति। जिसकी वजह से वर्ष 2022 से अब तक 41 हजार 853 लोगों की घर बैठे ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन बनी है। उन्हें न तो योजना के लिए आवेदन करना पड़ा और न ही कार्यालयों के चक्कर काटने पड़े। वहीं सरकार ने पिछले 12 वर्षों में कई बार पेंशन की राशि को बढ़ाया है।

डीसी ने बताया कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी दिशा में परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को प्रो-एक्टिव मोड में लागू किया गया है, जिससे पात्र व्यक्तियों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। पीपीपी में दर्ज आंकड़ों के आधार पर पात्रता पूरी होने पर विभाग स्वयं कार्रवाई कर लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ता है।

डीसी अपराजिता ने कहा कि सरकार ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। दिव्यांग पेंशन के लिए दिव्यांगता की न्यूनतम सीमा को 70 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है। साथ ही दिव्यांगता की श्रेणियों की संख्या 7 से बढ़ाकर 21 कर दी गई है, जिससे अधिक से अधिक दिव्यांगजन योजनाओं का लाभ उठा सकें। ?

उन्होंने बताया कि जिला समाज कल्याण विभाग की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में जिले में 2 लाख 47 हजार 941 लाभार्थी विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं वित्तीय सहायता योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। जिले में 1 लाख 22 हजार 260 वृद्धजन वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना के तहत प्रतिमाह 3,200 रुपये प्राप्त कर रहे हैं, जबकि 48 हजार 745 विधवा एवं निराश्रित महिलाओं को भी प्रतिमाह 3,200 रुपये की सहायता दी जा रही है। इसी प्रकार 43 हजार 316 महिलाओं को दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत प्रतिमाह 2,100 रुपये का लाभ मिल रहा है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी अमितेंद्र श्योकंद ने बताया कि 15 हजार 189 निराश्रित बच्चों को वित्तीय सहायता, 9 हजार 930 दिव्यांगजनों को दिव्यांग पेंशन, 5 हजार 307 विधुर एवं अविवाहित व्यक्तियों को वित्तीय सहायता तथा 2 हजार 51 महिलाओं को लाडली सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा 673 मंदबुद्धि बच्चों, 461 कैंसर रोगियों तथा 8 बौना एवं 1 किन्नर लाभार्थी को भी सरकार द्वारा नियमित आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि एसिड अटैक पीड़ितों को उनकी दिव्यांगता के प्रतिशत के अनुसार 8 हजार रुपये से 14 हजार 400 रुपये तक मासिक सहायता उपलब्ध करवाई जाती है।

उन्होंने बताया कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का दायरा भी बढ़ाया गया है। अब 1.80 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले उन परिवारों की महिलाओं को भी योजना में शामिल किया गया है जिनके बच्चे कुपोषण से बाहर आए हैं, जिन्होंने सरकारी विद्यालयों में अध्ययन करते हुए 10वीं अथवा 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं या निपुण भारत मिशन के अंतर्गत निर्धारित ग्रेड हासिल किए हैं।

स्मार्ट चंडीगढ़ की ओर बड़ा कदम - दिल्ली मॉडल पर बनेगी आधुनिक मल्टी-लेवल पार्किंग

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ में बढ़ती पार्किंग समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। मेयर Saurabh Joshi, यूटी चंडीगढ़ के मुख्य वास्तुकार राजीव कुमार मेहता और नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा ने नई दिल्ली का दौरा कर पीपीपी मॉडल पर विकसित आधुनिक मल्टी-लेवल पार्किंग परियोजनाओं का अध्ययन किया। प्रतिनिधिमंडल ने बाबा खड़क सिंह मार्ग, सरोजिनी नगर और ग्रेटर कैलाश-1 में स्थापित अत्याधुनिक पार्किंग सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा डीडीए, एमसीडी और एनडीएमसी अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। दौरे के दौरान रोबोटिक पार्किंग सिस्टम, मैकेनाइज्ड पार्किंग और स्मार्ट पार्किंग प्रबंधन तकनीकों का अवलोकन किया गया। मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए चंडीगढ़ को तकनीक आधारित पार्किंग अवसंरचना की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मल्टी-लेवल पार्किंग से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, भूमि का प्रभावी उपयोग होगा और नागरिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। अध्ययन रिपोर्ट जल्द प्रशासन को सौंपी जाएगी।

मॉक ड्रिल को सफल बनाने के लिए विभागों में आपसी तालमेल होना बहुत जरूरी:विश्राम कुमार मीणा

-पिहोवा उपमंडल के गांव झांसा और शाहाबाद के गांव तंगोर में किया गया मॉक ड्रिल का आयोजन

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
12 जून (बृज मोहन)

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मॉक ड्रिल को सफल बनाने के लिए विभागों में आपसी तालमेल होना बहुत जरूरी है। आपदा के समय जिले में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां से संबंधित क्षेत्र में बातचीत की जा सकती है तथा वहां क्या हो रहा है उसके बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। एफएम और टेलीफोन के जरिए सूचनाए पहुंचाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल के दौरान ड्रोन का इस्तेमाल होना चाहिए और मॉक ड्रिल के समय प्रेस ब्रीफिंग होना भी बहुत जरूरी है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में अधिकारियों से मॉक ड्रिल की समीक्षा कर रहे थे। इससे दौरान वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से एफसीआर ने चंडीगढ़ से मॉक ड्रिल को लेकर बैठक ली और अधिकारियों के अनुभव व सुझावों को जाना। वीसी में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि जिले के पिहोवा उपमंडल के गांव झांसा और शाहाबाद के गांव तंगोर में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

शाहाबाद एसडीएम शंभू राठी ने कहा कि गांवों में सायरन होने चाहिए, ताकि ग्रामीणों को अलर्ट करने में उनका इस्तेमाल हो सके और समय-समय पर पेट्रोलिंग भी बहुत जरूरी है। हरियाणा रोडवेज के जो चालक और कंडक्टर संबंधित जगह से वाकिफ होने चाहिए, ताकि आपदा के समय कोई समस्या ना आए। जो अधिकारी मॉक ड्रिल के समय हो या प्रशिक्षण के दौरान हो उनका ट्रांसफर नहीं होना चाहिए।

पिहोवा एसडीएम अनिल कुमार दून ने कहा कि आपदा के समय फ्लड लाइट होना बहुत जरूरी है। हर गांव में लोकल टीम होनी चाहिए, ताकि आपदा के समय वह काम कर सके और उसे अपने क्षेत्र की पूरी जानकारी होनी चाहिए। सिंचाई विभाग के जो कर्मचारी हैं, उनके पास लाइव जैकेट होनी चाहिए।

कर्नल नीतीश ने कहा कि जो मॉक ड्रिल आज दिन के समय की गई है, ऐसी ही प्रैक्टिस रात के समय में भी होनी चाहिए। मॉक ड्रिल के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर सही होना चाहिए और संबंधित अधिकारी को इसके लिए प्रशंसा पत्र या पुरस्कार देकर सम्मानित भी करना चाहिए। आपदा के समय रोड सही होने चाहिए और छोटे विकल का प्रयोग करना चाहिए।

मेजर वरुण ने कहा कि आपदा के समय क्या-क्या करना है उसके बारे में सभी जानकारी होनी चाहिए। सभी को बारीकी से सभी नियमों का पता होना चाहिए। इसके साथ ही सभी विभागों के कलर कोड होने चाहिए, ताकि आपदा के समय पहचान हो सके। आपदा के समय एक चेकलिस्ट होनी चाहिए कि हमें किस-किस चीजों की जरूरत है ताकि कोई समस्या ना आए।

इस मौके पर मॉक ड्रिल के ऑब्जर्वर कर्नल नीतीश, अंबाला कैंट से मेजर वरुण, शाहाबाद के एसडीएम शंभू राठी, पिहोवा के एसडीएम अनिल दून, जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी, नगराधीश आशीष कुमार, जिला दमकल अधिकारी संदीप ग्रेवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का

संपादकीय

नई सोच के साथ बदल रही भारतीय कृषि की तस्वीर

भारत की कृषि व्यवस्था पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब खेती का उद्देश्य केवल अधिक उत्पादन करना नहीं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाना, कृषि को टिकाऊ बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना भी है। इसी सोच के तहत केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई नई योजनाएं और मिशन शुरू किए हैं, जिनका उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर बाजार और सुरक्षित आय उपलब्ध कराना है।

दलहन-तिलहन मिशन, कॉटन मिशन, प्राकृतिक खेती मिशन और पीएम धन-धान्य कृषि योजना जैसी पहलें कृषि क्षेत्र को नई दिशा दे रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से दालों, खाद्य तेलों और कपास के उत्पादन को बढ़ाने के साथ-साथ किसानों को बेहतर गुणवत्ता और उचित मूल्य दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को सीधे आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और खेती की लागत घटाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ ही 'खेत बचाओ अभियान' के माध्यम से किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी परीक्षण और जैविक विकल्प अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

कृषि को तकनीक से जोड़ने के लिए डिजिटल कृषि मिशन, एग्रीस्टैक, ड्रोन आधारित सेवाएं और मौसम आधारित सलाह जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विकसित नई जलवायु-अनुकूल फसल किस्में भी किसानों को बदलते मौसम की चुनौतियों से निपटने में मदद कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कृषि में यह परिवर्तन केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसान कल्याण, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का व्यापक मॉडल बन रहा है। यदि ये प्रयास निरंतर जारी रहे, तो भारतीय कृषि भविष्य में और अधिक आत्मनिर्भर, टिकाऊ तथा प्रतिस्पर्धी बन सकेगी।

शिक्षा बनाम व्यवस्था : सरकारी आदेशों के बोझ तले दबता बचपन

शिक्षकों को बार-बार गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाना शिक्षा व्यवस्था के लिए चिंताजनक संकेत है।

यदि शिक्षक कक्षा से दूर रहेंगे तो इसका सीधा असर विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ेगा।

सरकार को जनगणना और अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को उनके मूल दायित्व-शिक्षण-पर केंद्रित रखना समय की मांग है।

हिमाचल प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। राज्य के हजारों शिक्षक इन दिनों उस मूल दायित्व से दूर होते दिखाई दे रहे हैं, जिसके लिए उन्हें नियुक्त किया गया है। पहले चुनावी ड्यूटी, फिर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम और अब जनगणना जैसे विशाल प्रशासनिक कार्यों में उनकी लगातार तैनाती ने विद्यालयों में नियमित शिक्षण व्यवस्था को प्रभावित किया है। यह स्थिति केवल शिक्षकों की परेशानी का विषय नहीं है, बल्कि लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव और जनगणना दोनों ही अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य हैं। इनकी सफलता देश की प्रशासनिक और विकासात्मक नीतियों के लिए आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इन कार्यों का भार बार-बार शिक्षकों के कंधों पर डालना उचित है? क्या सरकारों ने कभी गंभीरता से यह विचार किया है कि इन अतिरिक्त जिम्मेदारियों का बच्चों की शिक्षा पर क्या प्रभाव पड़ता है?

शिक्षक समाज का वह वर्ग है जिस पर राष्ट्र के भविष्य निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। एक शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक का ज्ञान नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, सोच और मूल्यों का भी निर्माण करता है। ऐसे में जब वही शिक्षक लगातार गैर-शैक्षणिक कार्यों में व्यस्त रहेगा तो शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है।

हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। विशेष रूप से चंबा, पांगी, भरमौर, किन्नौर, लाहौल-स्पीति और सिरमौर के कई दुर्गम क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों तक पहुंचना ही अपने आप में चुनौती है। अनेक शिक्षकों को प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर विद्यालय पहुंचना पड़ता है। खराब सड़कें, सीमित परिवहन सुविधाएं और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां पहले ही उनके कार्य को चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। ऐसे में विद्यालय समय के बाद जनगणना जैसे अतिरिक्त दायित्व निभाने की अपेक्षा करना व्यावहारिक नहीं लगता।

सरकार का तर्क हो सकता है कि जनगणना जैसे कार्यों के लिए शिक्षित

एएम नाथ

और जिम्मेदार कर्मचारियों की आवश्यकता होती है तथा शिक्षक इस भूमिका को कुशलतापूर्वक निभा सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी और दक्षता के साथ पूरा करते हैं। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि हर अतिरिक्त सरकारी कार्य का पहला विकल्प शिक्षक ही क्यों बन जाते हैं? क्या प्रशासनिक व्यवस्था में ऐसे वैकल्पिक संसाधनों की कमी है जिन्हें इन कार्यों के लिए तैयार किया जा सके?

वास्तविकता यह है कि प्रदेश और देश में बड़ी संख्या में शिक्षित बेरोजगार युवा उपलब्ध हैं। यदि जनगणना, सर्वेक्षण और अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए अस्थायी आधार पर प्रशिक्षित युवाओं की नियुक्ति की जाए तो दोहरा लाभ मिल सकता है। एक ओर सरकार को आवश्यक मानव संसाधन मिलेगा, वहीं दूसरी ओर युवाओं को रोजगार और अनुभव प्राप्त होगा। इससे शिक्षकों पर अतिरिक्त बोझ भी कम होगा और विद्यालयों में पढ़ाई भी प्रभावित नहीं होगी।

शिक्षकों पर बढ़ते गैर-शैक्षणिक कार्यों का एक और गंभीर पक्ष है-उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य। लगातार बढ़ते कार्यभार, समय की कमी और प्रशासनिक दबाव के कारण शिक्षकों में तनाव की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक है। एक थका हुआ और मानसिक रूप से दबावग्रस्त शिक्षक कक्षा में वह ऊर्जा और रचनात्मकता नहीं ला सकता, जिसकी विद्यार्थियों को आवश्यकता होती है। शिक्षा केवल पाठ पढ़ाने का नाम नहीं है; यह संवाद, प्रेरणा और निरंतर मार्गदर्शन की प्रक्रिया है। जब शिक्षक स्वयं दबाव में होगा तो इस प्रक्रिया की गुणवत्ता प्रभावित होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से यथासंभव मुक्त रखने की आवश्यकता पर बल देती है। नीति का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर अधिक समय देने का अवसर प्रदान करना है। लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। विद्यालयों में शिक्षकों की कमी पहले से ही एक चुनौती है, और जो शिक्षक उपलब्ध हैं, उन्हें भी बार-बार अन्य कार्यों में लगा दिया जाता है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इसका प्रभाव सीधे विद्यार्थियों पर पड़ता है। पाठ्यक्रम समय पर पूरा नहीं हो पाता, कक्षाओं की नियमितता प्रभावित होती है और कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त शैक्षणिक सहायता नहीं मिल पाती। ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों के विद्यार्थी, जो पहले ही संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, इस स्थिति से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। शिक्षा में होने वाली यह क्षति तत्काल दिखाई नहीं देती, लेकिन इसके परिणाम आने वाले वर्षों में स्पष्ट रूप से सामने आते हैं।

सरकार को यह समझना होगा कि जनगणना और शिक्षा दोनों ही राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। किसी एक को मजबूत करने के लिए दूसरे को कमजोर करना दूरदर्शी नीति नहीं कही जा सकती। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसा संतुलित मॉडल विकसित किया जाए जिसमें प्रशासनिक कार्य भी सुचारु रूप से संपन्न हों और विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियां भी प्रभावित न हों।

आज जरूरत इस बात की है कि शिक्षकों को उनके मूल दायित्व-शिक्षण-पर केंद्रित रहने दिया जाए। यदि शिक्षक कागजों, सर्वेक्षणों और प्रशासनिक कार्यों में उलझा रहेगा तो कक्षा में ज्ञान कौन पहुंचाएगा? यदि बच्चों की पढ़ाई लगातार प्रभावित होती रही तो इसका नुकसान केवल एक पीढ़ी को नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भुगतना पड़ेगा।

सरकार को समय रहते इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों के अत्यधिक बोझ से राहत देना केवल उनकी मांग नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर भविष्य की अनिवार्य आवश्यकता है। क्योंकि एक मजबूत राष्ट्र की नींव मजबूत शिक्षा व्यवस्था पर ही टिकी होती है, और शिक्षा व्यवस्था की आत्मा उसका शिक्षक होता है।

ओवरकॉन्फिडेंस घातक होता है: जब भाग्य रुलाता है

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

ओवरकॉन्फिडेंस में दो सरकारी नौकरियाँ छोड़ दीं, अब दर भटक रहा है।

सफलता हासिल करना आसान है। एक बार मौका मिल जाता है। लेकिन सफलता बनाए रखना लंबी दौड़ है। लंबी दौड़ में टिकता वही है जिसके पास अनुशासन हो, सीखने की आदत हो, और संतोष हो। अति-आत्मविश्वास तुम्हें लगता है कि तुम संभाल लोगे। लेकिन असल में तुम गिरने की तैयारी कर रहे होते हो। क्योंकि तुम जोखिम का गलत हिसाब लगाते हो। तुम्हें लगता है मेरे साथ बुरा नहीं होगा। और जब होता है, तो दूसरी योजना होती ही नहीं।

सुबह पाँच बजे अलार्म बजता है। कमरे में अंधेरा है, ठंड है, बिस्तर गरम है। एक लड़का उठता है, मुँह धोता है, और निकल पड़ता है कोचिंग के लिए। रास्ते में चाय की दुकान पर पाँच रुपये की चाय पीता है क्योंकि सौ रुपये बचाकर महीने के अंत में आवेदन भरना है। परिणाम के दिन तीन घंटे तक मोबाइल की स्क्रीन बार-बार देखता है। एक साक्षात्कार के फोन के लिए तरस रहा है।

उसी शहर के दूसरे हिस्से में एक दूसरा लड़का है। बाईस साल की उम्र में उसके पास दो सरकारी नौकरियाँ थीं। वेतन अच्छा था, काम हल्का था, कार्यालय में लोग इज्जत देते थे। उसने कहा इससे बेहतर मिलेगा और दोनों छोड़ दीं। आज छब्बीस साल का है। घर बैठा है। अपनी योग्यता का विवरण भेजता है, कोई जवाब नहीं आता। रात को छत पर लेटकर सोचता है गलती कहाँ हुई।

यही फर्क है जरूरत और अति-आत्मविश्वास में। यही फर्क है जो एक इंसान को बनाता है और दूसरा तोड़ देता है।

आत्मविश्वास और अति-आत्मविश्वास में बस एक लाइन का फर्क होता है। आत्मविश्वासी इंसान कहता है मैंने रातें जागकर पढ़ा है, काम पूरे किए हैं, इसलिए मैं कर लूँगा। अति-आत्मविश्वासी इंसान कहता है मैं हूँ, इसलिए हो जाएगा। पहला तुम्हें जमीन पर रखता है। दूसरा तुम्हें हवा में उड़ाता है। और हवा में उड़ने वाले अक्सर गिरते हैं, क्योंकि हवा में जड़ें नहीं होतीं।

आत्मविश्वासी इंसान गलती होने पर सीखता है। वह पूछता है कहाँ चूक हुई, अगली बार क्या बेहतर कर सकता हूँ। अति-आत्मविश्वासी इंसान गलती होने पर भी कहता है मेरी गलती नहीं थी, व्यवस्था खराब है, लोग समझ नहीं पाए। इस एक लाइन से सीखने का रास्ता बंद हो जाता है। जब सीखना बंद होता है तो विकास भी रुक जाता है।

जब तुम बाईस साल की उम्र में दो सरकारी नौकरी पा लेते हो तो मन में ये बैठ जाता है कि मैं खास हूँ। लगता है बाजार तुम्हारे लिए रुका हुआ है। लेकिन बाजार नहीं रुकता। वह हर छह महीने में बदल जाता है। जो कला आज माँग में है वह कल बेकार हो जाती है। जो औजार आज नया है वह कल पुराना हो जाता है। जो रफ्तार से सीखता है वही टिका रहता है।

बाजार तुम्हारी पुरानी सफलता नहीं देखता। तुमने दो हजार तेईस में परीक्षा पास की थी, बधाई हो। लेकिन दो हजार पच्चीस में दस लाख नए बच्चे उसी परीक्षा के लिए कतार में खड़े हैं। उनके पास नई कलाएँ हैं, नए साधन हैं, नई सोच है। संस्था को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुमने दो साल पहले क्या किया था। उसे मतलब है कि आज तुम क्या कर सकते हो।

जब तुम नौकरी छोड़ते हो तो तुम सिर्फ वेतन नहीं छोड़ते। तुम तोड़ते हो अपनी गति। हर महीने का अनुभव, हर काम का भरोसा, वह सब धीरे-धीरे टूटता है। तुम तोड़ते हो अपना संबंध-जाल। वह वरिष्ठ जो तुम्हें आगे बढ़ा सकता था, वह दूर हो जाता है। तुम तोड़ते हो सीखने का माहौल। कार्यालय में रोज जो नई बात सीखते थे, वह अब बंद हो जाती है।

वापस उसी स्तर पर आना सबसे कठिन काम है। क्योंकि अब तुम्हारे पास अंतराल है। नियुक्ति करने वाले पूछते हैं दो साल से क्या कर रहे थे और तुम्हारे पास देने के लिए कोई ठोस उत्तर नहीं होता। समझाने लगो तो लगता है बहाना बना रहे हो। चुप रहो तो लगता है कुछ किया ही नहीं।

जिसे लगता है छोड़ दूँगा, दूसरी आ जाएगी, उसे ये नहीं पता कि दूसरी नौकरी पाने के लिए भी वही अस्वीकृति, वही अनिश्चितता, वही रातें जागना पड़ता है। जो लोग बेरोजगार हैं वह समझते हैं। एक फोन के लिए पूरा दिन मोबाइल हाथ में लेकर बैठना पड़ता है। हर अस्वीकृति संदेश पर रात को नींद नहीं आती। हर बार लगता है शायद अब मेरा नंबर आए।

तुमने वह फोन काट दिया। तुमने सोचा मैं बेहतर का हकदार हूँ। लेकिन बाजार तुमसे नहीं पूछता कि तुम क्या चाहते हो। वह देखता है कि तुम अभी क्या दे सकते हो। कम उम्र में मौका मिलना सबसे बड़ी चीज है। क्योंकि बाईस से पच्चीस साल में गलती की गुंजाइश होती है। तीस के बाद वही गलती महंगी पड़ती है। घर की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, जोखिम लेने की हिम्मत कम हो जाती है।

लोग कहते हैं भाग्य बहुत रुलाता है ऐसे लोगों को। सही कहते हैं। लेकिन भाग्य अपने आप नहीं रुलाता। भाग्य रुलाता है क्योंकि वह अचानक सब छीन लेता है। जो कल तक आसान लग रहा था आज पहाड़ हो जाता है। कल तक जो अधिकारी तुम्हें हम फोन करेंगे कह रहा था, आज वह फोन नहीं उठाता।

भाग्य अहंकार तोड़ता है। मैं कर लूँगा वाला भरोसा टूटता है, और इंसान खुद को बेबस पाता है। पहली बार समझ आता है कि दुनिया तुम्हारे बिना भी चल रही है। तुम्हारी गैरमौजूदगी से किसी को फर्क नहीं पड़ रहा।

भाग्य समय वापस नहीं देता। जो दो तीन साल खाली बैठकर निकल गए, वह दोबारा नहीं आते। उम्र निकल जाती है। ऊर्जा कम हो जाती है। पच्चीस साल में जोखिम ले सकते थे, अट्ठाईस में नहीं ले पाते। जिम्मेदारियाँ बढ़ जाती हैं, परिवार उम्मीद करता है, और तुम खुद को समझाते हो अब बहुत देर हो गई।

लेकिन यहाँ एक बात समझ लो। भाग्य रुलाता जरूर है, लेकिन खत्म नहीं करता। इतिहास गवाह है। जो लोग गिरने के बाद भी सीख जाते हैं, वही बाद में सबसे मजबूत निकलते हैं। जो गिरकर कहता है मेरी गलती थी, वह उठ जाता है। जो गिरकर कहता है दुनिया खराब है, वह वहीं पड़ा रहता है।

संतोष कमजोरी नहीं है। संतोष का मतलब हार मानना नहीं है। संतोष का मतलब है शुक्रगुजार होना। शुक्रगुजार हो कि तुम्हें मौका मिला। लाखों लोग हैं जो उसी मौके के लिए सालों से कतार में खड़े हैं। जब तुम शुक्रगुजार होते हो तो तुम सीखने के मन से आते हो। जब तुम असंतुष्ट होते हो तो तुम तुलना के मन से आते हो। और तुलना हमेशा तुम्हें कमतर दिखाएगी।

इसका मतलब ये नहीं कि जहाँ हो वहीं सड़ जाओ। इसका मतलब ये नहीं कि आगे मत बढ़ो। मतलब ये है कि जो मिला है उसकी कदर करो। उसी के साथ सीखो। उसी के अंदर से अगला कदम बनाओ। पेड़ को उखाड़ उखाड़कर नहीं देखा जाता कि जड़ें मजबूत हुईं या नहीं। नौकरी भी ऐसी ही है। छह महीने में उन्नति नहीं दिखी तो छोड़ दो, यह सोच गलत है। दो साल एक जगह टिककर देखो। कला बनाओ। संबंध बनाओ। फिर उन्नति खुद दिखेगी।

अगर तुम भी उस दूसरे लड़के की जगह हो तो घबराओ मत। रास्ता बंद नहीं हुआ है। बस तरीका बदलना पड़ेगा। सबसे पहले अहंकार एक तरफ रखो। मैं तो प्रतिभाशाली था वाली सोच अभी बंद करो। बाजार को इससे फर्क नहीं पड़ता। अब तुम्हें सीखने वाले मन से आना होगा। नए की तरह सोचो। दूसरा कदम है अपनी कला का अंतराल देखना। नौकरी के स्थानों पर जाओ। अपने क्षेत्र की दस विज्ञप्तियाँ देखो। जो कला बार-बार आ रही है, वही अभी सीखनी है। दो तीन महीने का केंद्रित अभ्यास बहुत फर्क लाता है। मुक्त और सस्ते पाठ्यक्रमों से भरे मंच आज हर किसी के पास हैं। बहाना मत बनाओ कि समय नहीं है। समय वही निकालता है जो सच में बदलना चाहता है। तीसरा कदम है छोटी शुरुआत से भरोसा वापस लाना। बड़ी संस्था, बड़ा वेतन का पीछा अभी मत करो। कोई भी छोटी नौकरी, प्रशिक्षुता, परियोजना आधारित काम पकड़ो। छह महीने काम करो। अपने काम का संग्रह बनाओ। गति बनते ही बड़े मौके खुद खुलते हैं। लोग उसी को बुलाते हैं जिसके पास दिखाने को काम होता है।

चौथा कदम है संबंध बनाना। घर बैठकर नौकरी नहीं मिलती। पुराने मित्रों, वरिष्ठों, महाविद्यालय के लोगों से बात करो। बताओ कि तुम अब गंभीर हो। अनुशंसा आज भी सबसे तेज रास्ता है। एक सही अनुशंसा तुम्हारे विवरण को हजारों विवरणों के ढेर से ऊपर ला सकती है।

इतिहास भरा पड़ा है। बड़ी संस्थाएँ, खिलाड़ी, नेता जो एक गलती में समाप्त हो गए सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्हें लगा मुझे कुछ नहीं होगा। बड़ी कंपनियों ने सोचा हमारा नाम काफी है। नई तकनीक को नजरअंदाज किया और इतिहास बन गए।

इसलिए याद रखो। नम्रता बचाती है। अति-आत्मविश्वास डुबाता है। जो मिला है उसकी कदर करो। भाग्य दोबारा दस्तक नहीं देता। सफलता एक तेज दौड़ है। उसे बनाए रखना लंबी दौड़ है। अगर तुम आज गिरे हो तो ठीक है। गिरना बुरा नहीं है। बुरा है वहीं रुक जाना। उठो। सीखो। शुरू करो। क्योंकि भाग्य रुलाता है, लेकिन वह उठने वालों को ऊपर भी ले जाता है। जो गिरकर सीखता है, वही बाद में दूसरों को संभालना भी जानता है।

कल फिर सुबह होगी। अलार्म बजेगा। फर्क सिर्फ इतना होगा कि इस बार तुम उसे टाल नहीं करोगे।

बिखर रही क्षेत्रीय दलों की राजनीति

भारतीय लोकतंत्र में क्षेत्रीय दलों ने हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन दलों ने न केवल राज्यों की राजनीति को दिशा दी है, बल्कि कई बार राष्ट्रीय राजनीति में भी निर्णायक भूमिका निभाई है। पिछले तीन दशकों में क्षेत्रीय दलों के प्रभाव ने केंद्र की सरकारों के गठन और नीतियों को प्रभावित किया है। हालांकि हाल के वर्षों में कई बड़े क्षेत्रीय दलों के भीतर बढ़ता असंतोष, टूट-फूट और नेतृत्व संकट एक नई राजनीतिक प्रवृत्ति को सामने ला रहा है। यह सवाल लगातार उठ रहा है कि क्या क्षेत्रीय दलों की राजनीति अब एक नए दौर में प्रवेश कर रही है, जहां संगठनात्मक मजबूती की जगह व्यक्तिवाद और सत्ता की राजनीति हावी होती जा रही है।

पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और दिल्ली जैसे राज्यों में हालिया राजनीतिक घटनाक्रम इस बहस को और मजबूत करते हैं। कई क्षेत्रीय दलों में नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष खुलकर सामने आया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अधिकांश क्षेत्रीय दलों का ढांचा किसी एक करिश्माई नेता या सीमित नेतृत्व समूह के इर्द-गिर्द विकसित हुआ है। जब तक इन दलों के पास जनसमर्थन और सत्ता रहती है, तब तक संगठनात्मक कमजोरियां दिखाई नहीं देतीं। लेकिन जैसे ही राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं, अंदरूनी मतभेद सतह पर आने लगते हैं।

क्षेत्रीय दलों का सबसे बड़ा संकट सत्ता का जाना नहीं, बल्कि संगठनात्मक और वैचारिक कमजोरियों का उजागर होना है। जब तक जनसमर्थन और सत्ता साथ रहती है, आंतरिक मतभेद दबे रहते हैं, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियां बदलते ही असंतोष सतह पर आ जाता है। पारिवारिक नेतृत्व, सीमित निर्णय प्रक्रिया और कमजोर वैचारिक प्रतिबद्धता कई दलों के लिए चुनौती बन चुकी है। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत उसके सिद्धांतों, संगठनात्मक लोकतंत्र और कार्यकर्ताओं के विश्वास में निहित होती है। यदि दल सत्ता से अधिक संगठन और विचारधारा को महत्व दें, तभी उनकी दीर्घकालिक प्रासंगिकता बनी रह सकती है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति इसका एक प्रमुख उदाहरण है। लंबे समय तक मजबूत जनाधार और प्रभावशाली नेतृत्व के कारण पार्टी के भीतर मौजूद असंतोष दबा रहा। लेकिन चुनावी चुनौतियों और राजनीतिक दबावों के बाद कई नेताओं ने संगठन की कार्यशैली और निर्णय प्रक्रिया पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि किसी भी दल में यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया सीमित व्यक्तियों तक सिमट जाए तो धीरे-धीरे असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। जब कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं को लगता है कि उनकी भूमिका कम हो रही है, तब संगठनात्मक एकता प्रभावित होने लगती है।

महाराष्ट्र में भी क्षेत्रीय राजनीति ने पिछले कुछ वर्षों में बड़े बदलाव देखे हैं। राज्य की प्रमुख पार्टियों में हुए विभाजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि नेतृत्व और उत्तराधिकार से जुड़े प्रश्न किसी भी संगठन के लिए गंभीर चुनौती बन सकते हैं। जब पार्टी के भीतर विभिन्न नेताओं की महत्वाकांक्षाएं टकराती हैं और उन्हें उचित स्थान नहीं मिलता, तब बगावत की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। कई राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि मजबूत संगठनात्मक संरचना के अभाव में ऐसे विवाद अक्सर विभाजन का रूप ले लेते हैं।

तमिलनाडु की राजनीति भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। वहां की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियां लंबे समय तक करिश्माई नेताओं के नेतृत्व में चलती रहीं। लेकिन नेतृत्व

परिवर्तन के बाद संगठनात्मक संतुलन बनाए रखना आसान नहीं रहा। सत्ता से दूरी बढ़ने पर कार्यकर्ताओं और नेताओं में निराशा का माहौल भी देखने को मिला। यह स्थिति बताती है कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए केवल लोकप्रिय नेतृत्व पर्याप्त नहीं होता, बल्कि मजबूत संस्थागत व्यवस्था भी आवश्यक होती है।

दिल्ली की राजनीति में उभरी नई राजनीतिक ताकतों ने शुरुआत में वैचारिक राजनीति और पारदर्शी व्यवस्था का दावा किया था। लेकिन समय के साथ वहां भी नेतृत्व शैली, संगठनात्मक लोकतंत्र और निर्णय प्रक्रिया को लेकर सवाल उठते रहे हैं। यह केवल किसी एक दल की समस्या नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति के व्यापक परिदृश्य का हिस्सा बनती जा रही है। कई दलों में निर्णय लेने की शक्ति सीमित व्यक्तियों तक केंद्रित हो जाने से कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच दूरी बढ़ती है। क्षेत्रीय दलों में बढ़ते बिखराव का एक बड़ा कारण पारिवारिक राजनीति भी माना जाता है। देश के कई राज्यों में ऐसे दल हैं जहां नेतृत्व पीढ़ी दर पीढ़ी एक ही परिवार के हाथों में रहा है। शुरुआत में यह व्यवस्था संगठन को स्थिरता देती दिखाई देती है, लेकिन समय के साथ उत्तराधिकार को लेकर विवाद पैदा होने लगते हैं। जब पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को लगता है कि उनकी भूमिका कम की जा रही है या उन्हें नेतृत्व की दौड़ से बाहर किया जा रहा है, तब असंतोष बढ़ता है। कई बार यही असंतोष अलग गुट बनने या पार्टी विभाजन का कारण बन जाता है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी दल की मजबूती उसके संगठनात्मक ढांचे और वैचारिक स्पष्टता पर निर्भर करती है। यदि कोई दल केवल किसी एक नेता की लोकप्रियता पर आधारित हो, तो उसके सामने दीर्घकालिक चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। मजबूत राजनीतिक संगठन वह होता है जहां नेतृत्व परिवर्तन के बावजूद कार्यकर्ता और समर्थक पार्टी की विचारधारा से जुड़े रहते हैं।

विचारधारा का कमजोर होना भी क्षेत्रीय दलों के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। एक समय था जब राजनीतिक दल स्पष्ट वैचारिक आधार पर चुनाव लड़ते थे और जनता से समर्थन मांगते थे। आज राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र अक्सर सत्ता प्राप्ति और चुनावी रणनीति बन गई है। यही कारण है कि नेताओं के लिए दल बदलना पहले की तुलना में अधिक आसान हो गया है। कई बार वे नेता, जो किसी दल की नीतियों की कड़ी आलोचना करते रहे हों, परिस्थितियां बदलने पर उसी दल में शामिल हो जाते हैं। इससे राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता कमजोर पड़ती दिखाई देती है।

चुनावी राजनीति का बढ़ता खर्च भी इस समस्या को बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। आज चुनाव लड़ने के लिए भारी संसाधनों की आवश्यकता होती है। सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले उम्मीदवारों के लिए राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में बने रहना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में सत्ता और संसाधनों तक पहुंच बनाए रखने की राजनीति को बढ़ावा मिलता है। कई नेता वैचारिक निष्ठा से अधिक राजनीतिक अवसरों को प्राथमिकता देने लगते हैं।

हालांकि क्षेत्रीय दलों की प्रासंगिकता अभी समाप्त नहीं हुई है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में क्षेत्रीय आकांक्षाओं और स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने में इन दलों की महत्वपूर्ण भूमिका बनी रहेगी। लेकिन बदलते राजनीतिक परिदृश्य में उन्हें अपनी कार्यशैली और संगठनात्मक ढांचे में सुधार करना होगा। आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना, युवा नेतृत्व को अवसर देना, पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया अपनाना और वैचारिक स्पष्टता बनाए रखना समय की मांग है।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती राजनीतिक दलों की मजबूती से जुड़ी हुई है। यदि क्षेत्रीय दल अपनी संगठनात्मक चुनौतियों का समाधान नहीं कर पाए, तो उनके सामने अस्तित्व का संकट और गहरा सकता है। वहीं यदि वे समय के अनुसार खुद को ढालने में सफल रहे, तो आने वाले वर्षों में भी वे देश की राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभाते रहेंगे। सत्ता से परे जाकर संगठन और विचारधारा को मजबूत करना ही क्षेत्रीय दलों के भविष्य की सबसे बड़ी कसौटी साबित होगा।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

शिमला की विपाशा ने निमहैंस पीएचडी प्रवेश परीक्षा में किया टॉप

शोधकार्य के लिए उन्हें फेलोशिप भी मिलेगी

शिमला (बी. शर्मा)- बेंगलुरु स्थित भारत सरकार के प्रतिष्ठित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (निमहैंस) में मानसिक स्वास्थ्य एवं पुनर्वास विषय में पीएचडी हेतु आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में शिमला की प्रतिभाशाली छात्रा विपाशा श्रीवास्तव ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। पीएचडी करने के लिए उन्हें इंस्टीट्यूट फेलोशिप भी प्रदान की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि निमहैंस को भारत सरकार से राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा प्राप्त है तथा मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरोसाइंसेज के क्षेत्र में यह देश का अग्रणी संस्थान है। विपाशा ने हाल ही में चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के मनोचिकित्सा विभाग से क्लिनिकल साइकोलॉजी में एम.फिल. उच्च प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित अखिल भारतीय परीक्षा में भी उन्होंने टॉप किया था। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान विषय में बीए (ऑनर्स) तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से क्लिनिकल साइकोलॉजी में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त की है। उनकी स्कूली शिक्षा शिमला के दयानंद पब्लिक स्कूल तथा लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल में हुई। विपाशा के पिता प्रो. अजय श्रीवास्तव हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त हैं, जबकि उनकी माता मृदुला श्रीवास्तव सतलुज जल विद्युत निगम में डिप्टी जनरल मैनेजर पद से सेवानिवृत्त हुई हैं।

परिजनों के अनुसार विपाशा बचपन से ही क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट बनकर समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने का सपना देखती रही हैं। वह रिहैबिलिटेशन काउंसिल आफ इंडिया से मान्यता प्राप्त क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट हैं और वर्तमान में दिल्ली-एनसीआर में कार्यरत हैं।

शिमला शहर के जाने माने समाजसेवी श्री हिमांशु कुमरा को मिला सुदर्शन गौर कला गौरव सम्मान

शिमला (बी. शर्मा)- अगर मन में कुछ करने की तमन्ना हो तो इंसान क्या नहीं कर सकता और यह कर दिखाया है शिमला के जाने माने समाजसेवी श्री हिमांशु कुमरा ने जिन्हें समाज के प्रति उनकी उपलब्धियों को लेकर ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन मुंबई के अध्यक्ष वा बॉलीवुड अभिनेता श्री रोहिताश गौर व उप अध्यक्ष श्रीमती रेखा गौर जी ने कालीबारी ऑडिटोरियम में हिमांशु कुमरा को सुदर्शन गौर कला गौरव सम्मान दे कर सम्मानित किया और उन्हें उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं एवं बधाई दी इस अवसर पर हिमांशु कुमरा ने कहा कि यह अवार्ड उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा वो सबसे महेवपूर्ण अवार्ड है और इस अवसर पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमति संतोष कुमरा भी उपस्थित थी।

हिमांशु कुमरा ने इसका श्रेय अपने माता पिता वा अपने गुरुजनों को देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और विश्वास से ही वो आज इस मुकाम तक पहुंच पाये हे और आगे भविष्य में भी समाज सेवा करते रहेंगे ।

झांगड में खेल स्पर्धा से पहले दिलाई नशे से दूर रहने की शपथ

बीडीओ पट्टा ने किया खेल स्पर्धा का शुभारंभ

पट्टा मेहलोग, 12 जून (तारा) - विकास खंड पट्टा की नव सृजित ग्राम पंचायत चढ़ियार के गांव झांगड में डॉ भीमराव अंबेडकर यूथ क्लब ठंडु झांगड द्वारा तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन शुरू हुआ। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी कुलदीप सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं का आवाहन किया कि शारीरिक व मानसिक विकास के लिए खेलो में बढकर भाग ले। नशे से दूर रहे। उन्होंने एन्टी चिट्टा अभियान के तहत युवाओं को शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर पंचायत के नवनिर्वाचित प्रधान अमर नाथ ठाकुर, उप प्रधान मुकेश कुमार, पट्टा नाली पंचायत के उप प्रधान भूप सिंह, कैंडोल वार्ड से बीडीसी रमेश कुमार, वार्ड सदस्य बबली देवी, ग्रामीण कुलदीप सिंह, सुखदेव, संजीव कुमार, किरपा राम, महेंद्र सिंह, हरिराम, लीला दत्त, बालक राम, रिखी राम, रोशन लाल, गोविंद राम व अन्य गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे।

क्लब के सदस्य संजीव कुमार ने बताया कि हमारे गांव में पिछले 15 वर्षों से खेल प्रतियोगिता करवाई जाती है। इस प्रतियोगिता में 8 टीमों ने भाग लिया जिसमें पिंजौर,अंबाला, बसौला, गुनाई, झंद्यगड़, मसूलखाना थारूगढ़,व खरोटा की टीमें शामिल है।शुक्रवार को चार मैच खेले गए। गुनाई और खरोटा के मध्य विजयी गुनाई, अम्बाला और बसौला के मध्य बसौला विजयी,ठारूगढ़ और पिंजौर जिसमें पिंजौर विजयी तथा झांगड और मसुलखना जिसमें खबर लिखे जाने तक मैच जारी था।

राजस्व घाटा, जलविद्युत और आपदा राहत पर केंद्र से बढ़ी उम्मीदें

नीति आयोग बैठक में हिमाचल की वित्तीय चुनौतियों पर जोर, गग्गल एयरपोर्ट विस्तार से पर्यटन विकास की नई संभावनाएँ

» प्रथम न्यूज । शिमला

12 जून (एएम नाथ)

नई दिल्ली में आयोजित NITI Aayog की 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक में Narendra Modi की अध्यक्षता में देशभर के राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री Sukhvinder Singh Sukhu ने राज्य की वित्तीय स्थिति और विशेष चुनौतियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान समाप्त होने के बाद प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर गंभीर दबाव पड़ा है। उन्होंने विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए वर्तमान में दी जा रही लगभग 25,000 करोड़ रुपये की सहायता

को अपर्याप्त बताते हुए इसे बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये करने की मांग रखी। उन्होंने यह भी बताया कि हिमाचल प्रदेश पर्यावरणीय दृष्टि से देश को महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करता है, जिनका उचित आर्थिक मूल्यांकन अब तक नहीं किया गया है।

बैठक में जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लगभग 13,000 मेगावाट की क्षमता होने के बावजूद लाभों में असंतुलन बना हुआ है। साथ ही Bhakra Beas Management Board (BBMB) से लगभग 7,000 करोड़ रुपये की देनदारी लंबित है। उन्होंने आपदा राहत के तहत 1,500 करोड़ रुपये की राशि अभी तक प्राप्त न होने का मुद्दा भी उठाया।

इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने वस्तु एवं सेवा कर (GST) व्यवस्था के कारण पिछले आठ वर्षों में राज्य को हुए लगभग 25,000 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान पर चिंता जताई। उन्होंने केंद्र से अधिक वित्तीय सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने कांगड़ा स्थित गग्गल हवाई अड्डे के विस्तार का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि इससे हिमाचल प्रदेश को वन स्टेट, वन इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

किक मारते ही मोटरसाइकिल में लगी आग, बाल-बाल बचा चालक

बीबीएन, 12 जून (तारा) - हाउसिंग बोर्ड फेस-3 बद्दी में शुक्रवार सुबह को एक मोटरसाइकिल में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार हाउसिंग बोर्ड फेस-3 निवासी एक व्यक्ति सुबह ड्यूटी पर जाने के लिए अपनी मोटरसाइकिल स्टार्ट करने लगा। जैसे ही उसने मोटरसाइकिल को किक मारकर स्टार्ट करने का प्रयास किया तो अचानक स्पार्किंग हुई और देखते ही देखते मोटरसाइकिल में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। घटना में मोटरसाइकिल का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि चालक सुरक्षित बच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि आग समय रहते नहीं बुझाई जाती तो आसपास खड़े अन्य वाहनों को भी नुकसान पहुंच सकता था। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण मोटर साइकिल में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

कैप्शन - हाउसिंग बोर्ड फेस-3 में आग लगने के बाद क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल।

मणिकर्ण घाटी में खाई में गिरी पंजाब के पर्यटकों की कार, 2 की मौत

8 साल की बच्ची समेत 3 गंभीर घायल

» प्रथम न्यूज । कुल्लू

12 जून (ब्यूरो)

जिला कुल्लू की मणिकर्ण घाटी में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पंजाब से आए पर्यटकों की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा सरसाड़ी क्षेत्र के पास उस समय पेश आया जब पर्यटकों से भरी एक कार नंबर पीबी 08 एफके 8223 अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 100 फ़ीट नीचे जा गिरी।

दुर्घटना में कार में सवार पांच लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक आठ वर्षीय बच्ची भी शामिल है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, पुलिस तथा राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे।

बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को वाहन से बाहर निकालकर उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल पर्यटकों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए रेफर किया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त वाहन पंजाब नंबर का है और उसमें सवार सभी लोग पर्यटक थे। हादसे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि माना जा रहा है कि वाहन चालक का नियंत्रण खोने से यह दुर्घटना हुई।

पुलिस अधीक्षक कुल्लू मदन लाल कौशल ने कहा की मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मणिकर्ण घाटी की दुर्गम सड़कों पर लगातार बढ़ती पर्यटकों की आवाजाही के बीच यह हादसा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

शिक्षा खंड पट्टा मेहलोग के चार शिक्षकों को मिला महाऋषि विश्वमित्र गुरु सम्मान

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग

12 जून (तारा)

राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, सोलन में आयोजित राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेमिनार सह महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान-2026 कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के शिक्षकों ने भाग लिया।

हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए जिला सोलन के शिक्षा खंड पट्टा मेहलोग के चार शिक्षकों ने इस प्रतिष्ठित सम्मान को प्राप्त कर प्रदेश और जिले का गौरव बढ़ाया। सम्मान प्राप्त करने वालों में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पट्टा मेहलोग की वाणिज्य विषय की प्रवक्ता डॉ. अमनप्रीत, राजकीय उच्च विद्यालय घियांन की मुख्याध्यापिका शालू महाजन, जीएचएस भावगुड़ी के टीजीटी अरुण, तथा जीपीएस धौलर के जेबीटी नवीन गौतम शामिल हैं।

कार्यक्रम में डॉ. राजेंद्र, उपनिदेशक (क्वालिटी कंट्रोल), राज कुमार प्रशार, उप जिला शिक्षा अधिकारी तथा गीतांजलि, प्राचार्य, डाइट सोलन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सम्मानित शिक्षकों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नवाचारपूर्ण शिक्षण, समर्पित सेवा तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पी एम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पट्टा मेहलोग की प्रिंसीपल श्वेता गुप्ता ने सभी सम्मानित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल संबंधित शिक्षकों बल्कि पूरे विद्यालय, ब्लॉक एवं जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी शिक्षक भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित करते रहेंगे।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र धार जमथल का किया निरीक्षण

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम) - नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने आज एनटीपीसी कोलडैम हाइड्रो पॉवर स्टेशन के एक दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र धार जमथल का निरीक्षण किया। इस आंगनबाड़ी केंद्र को एनटीपीसी कोलडैम हाइड्रो पॉवर स्टेशन द्वारा सीएसआर फंड के तहत विकसित किया गया है।

आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध करवाई गई सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए राजेश धर्माणी ने कहा कि एनटीपीसी कोलडैम हाइड्रो पॉवर स्टेशन के माध्यम से इस क्षेत्र में ऐसे 9 आंगनबाड़ी केंद्रों को विकसित किया गया है, जिनमें स्मार्ट टीवी, वॉटर प्यूरीफॉयर, बाला फीचर, झूलों सहित बच्चों के खेलकूद से जुड़ी अन्य सुविधाएं मुहैया करवाई गई हैं। इसके उपरांत उन्होंने प्राथमिक पाठशाला जमथल का भी निरीक्षण किया तथा स्कूली बच्चों के साथ संवाद किया।

उन्होंने बच्चों से पाठ्यक्रम आधारित प्रश्न भी पूछे। इसी बीच तकनीकी शिक्षा मंत्री ने बच्चों के बीच बैठकर उनसे संवाद भी किया तथा उनकी रूचियों के साथ-साथ स्कूल उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जाना। इसके उपरांत उन्होंने एनटीपीसी कोलडैम हाइड्रो पॉवर स्टेशन के विश्राम गृह परिसर में अर्जुन का पौधा भी रोपित किया।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने अदानी स्किल डेवलपमेंट सेंटर 'सक्षम' बरमाणा का किया दौरा

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने आज अदानी स्किल डेवलपमेंट सेंटर सक्षम, बरमाणा का दौरा किया तथा उपलब्ध प्रशिक्षण संबधी विभिन्न सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने रिटेल, ड्रोन, एआई तथा इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के प्रशिक्षुओं से बातचीत की और उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

इस मौके पर तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि रिटेल, ड्रोन, एआई तथा इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में सफलता के लिए प्रभावी संचार कौशल तथा नवीनतम तकनीकी ज्ञान का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रतिस्पर्धा के इस दौर में ज्ञान और कौशल को निरंतर अपग्रेड करने तथा बदलती तकनीकों और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने पर भी जोर दिया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों से स्वास्थ्य का ध्यान रखने, नियमित दिनचर्या अपनाने तथा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का भी आह्वान किया।

इस दौरान प्रशिक्षुओं ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा मंत्री राजेश धर्माणी से विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

इस मौके पर हिमुडा निदेशक जितेंद्र चंदेल, घुमारवीं नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष श्याम शर्मा, सहायक आयुक्त राज कुमार सहित संस्थान के प्रबंधक तथा प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

बंगाल और पुडुचेरी की जीत ने देश में भाजपा के प्रति बढ़ते विश्वास को किया स्थापित : डॉ. राजीव बिंदल

जगत प्रकाश नड्डा का हिमाचल आगमन प्रदेशवासियों के लिए गौरव और भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए नई ऊर्जा का स्रोत

» प्रथम न्यूज । शिमला

12 जून (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने शिमला में आयोजित बुद्धिजीवी सम्मेलन में केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री तथा भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का हिमाचल प्रदेश आगमन पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के महान सपूत और देश के वरिष्ठतम नेताओं में शामिल जगत प्रकाश नड्डा का अपने गृह प्रदेश में आगमन प्रदेशवासियों के लिए गौरव और सम्मान का विषय है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि जब भी नड्डा हिमाचल की धरती पर आते हैं, प्रदेश के कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, नई दिशा और नई प्रेरणा प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि नड्डा का व्यस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों और नीति आयोग जैसी महत्वपूर्ण बैठकों के बीच समय निकालकर हिमाचल आना भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रति उनके स्नेह और समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नड्डा का यह दौरा इसलिए भी विशेष महत्व रखता है क्योंकि हाल

ही में पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए को मिली उल्लेखनीय सफलता ने देश की राजनीति को नई दिशा दी है। इन चुनाव परिणामों ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और जगत प्रकाश नड्डा के मार्गदर्शन में भाजपा के प्रति जनता का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि देशभर में भाजपा की बढ़ती स्वीकार्यता इस बात का प्रमाण है कि जनता विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति के साथ खड़ी है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा की शानदार सफलता पर पार्टी नेतृत्व, कार्यकर्ताओं और जनता को बधाई दी। उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर, राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन, सांसद डॉ. सिकंदर कुमार, पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ नेता सुरेश कश्यप, प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल, पायल वैद्य तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी का यह सामूहिक नेतृत्व प्रदेश में भाजपा को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य कर रहा है। डॉ. बिंदल ने सम्मेलन में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकारों, शिक्षाविदों, विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों, बुद्धिजीवियों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों का विशेष आभार व्यक्त किया और कहा कि राष्ट्र निर्माण में उनके विचार और सुझाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने हाल ही में संपन्न पंचायती राज संस्थाओं, नगर निकायों और नगर निगम चुनावों में भाजपा को मिली व्यापक सफलता के लिए प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में भाजपा समर्थित उम्मीदवार पंचायत प्रतिनिधि, बीडीसी सदस्य, जिला परिषद सदस्य, नगर परिषद सदस्य और नगर निगम पार्षद के रूप में निर्वाचित हुए हैं। यह परिणाम प्रदेश की जनता के भाजपा के प्रति बढ़ते विश्वास और कांग्रेस सरकार के प्रति असंतोष को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

डॉ. बिंदल ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि प्रदेश की जनता परिवर्तन चाहती है। कांग्रेस सरकार जन अपेक्षाओं पर खरी उतरने में पूरी तरह विफल रही है और जनता का विश्वास खो चुकी है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगातार जनता का विश्वास जीत रही है, उसी प्रकार हिमाचल प्रदेश में भी आगामी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की विफलताओं का जवाब देने के लिए तैयार है और आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर कमल खिलेगा।

अंत में डॉ. राजीव बिंदल ने प्रदेशवासियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और सम्मेलन में उपस्थित सभी बुद्धिजीवियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा विकसित भारत और विकसित हिमाचल के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

भारत बनाम अफगानिस्तान: इतिहास रचने की दहलीज पर रोहित शर्मा, इस मामले में बन सकते हैं नंबर वन

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज का आगाज 13 जून से होने जा रहा है। सीरीज का पहला मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। रोहित शर्मा को वनडे सीरीज में खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। रोहित पहले वनडे मुकाबले में मैदान पर उतरने के साथ ही खास उपलब्धि हासिल कर लेंगे।

दरअसल, धर्मशाला के मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ अगर रोहित शर्मा पहला वनडे मुकाबला खेलते हैं, तो वह भारत की ओर से एकदिवसीय क्रिकेट मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। रोहित 37 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त करेंगे, जो अभी मोहिंदर अमरनाथ के नाम दर्ज है। मोहिंदर ने 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी वनडे मुकाबला खेला था। वहीं, शनिवार (13 जून) को रोहित की उम्र 39 साल और 44 दिन होगी। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें, तो वनडे क्रिकेट के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी नीदरलैंड्स के नोलन क्लार्क रहे हैं, जिन्होंने एकदिवसीय मुकाबला 47 साल और 257 दिन की उम्र में खेला था।

रोहित ने आखिरी वनडे सीरीज न्यूजीलैंड के खिलाफ इस साल की शुरुआत में खेली थी। तीन मुकाबलों की सीरीज में रोहित का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। ऐसे में अफगानिस्तान के

खिलाफ भारतीय टीम के पूर्व कप्तान से फैंस को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। 50 ओवर के फॉर्मेट में रोहित का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ दमदार रहा है।

3 मुकाबलों में रोहित 75 की औसत और 127 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ 150 रन बना चुके हैं। रोहित इस दौरान एक शतक भी लगा चुके हैं।

विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में रोहित पर अधिक जिम्मेदारी भी होगी। कोहली और हार्दिक इंजरी की वजह से इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। विराट हैमस्ट्रिंग की इंजरी से जूझ रहे हैं, जबकि हार्दिक के बाएं पैर में निगल (हल्की चोट) है। विराट के स्थान पर यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है।

कैसे हुआ जसपाल राणा का निधन? डॉक्टर ने बताई पूरी बात

भारत के महानतम पिस्टल शूटर और देश के दिग्गज शूटिंग कोच जसपाल राणा अब हमारे बीच नहीं रहे. विदेशी सरजमीं पर तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के अस्पताल में इलाज के दौरान उनका अचानक चले जाना पूरे देश और खेल जगत के लिए एक गहरा सदमा है. जसपाल राणा भारतीय शूटिंग टीम के साथ जर्मनी के म्यूनिख में चल रहे वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने गए थे. वहां से वह 1 जून को भारत वापस लौटे. वतन वापसी के कुछ ही घंटों बाद उनकी तबीयत काफी ज्यादा बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत दिल्ली के साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया. अस्पताल में उनकी सर्जरी की गई और डॉक्टरों ने एक स्टेंट भी लगाया, जो सफल रहा था. जल्द ही उन्हें दूसरा स्टेंट भी लगाया जाना था, लेकिन इसी बीच नियति को कुछ और ही मंजूर था.

कैसे हुआ जसपाल राणा का निधन?

जसपाल राणा के निधन के बाद मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के कार्डियक साइंसेज के ग्रुप चेयरमैन और चीफ ऑफ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी डॉ. बलबीर सिंह का बड़ा बयान सामने आया है. उन्होंने बताया कि जसपाल राणा को जब अस्पताल लाया गया, तब उनकी स्थिति काफी नाजुक थी.

डॉ. बलबीर सिंह के मुताबिक, 'जसपाल राणा जब अस्पताल पहुंचे, तो उन्हें एक गंभीर हार्ट अटैक आ चुका था, जो करीब तीन दिन पुराना था. वह लगातार यात्रा कर रहे थे और इस दौरान भी उनके सीने में लगातार दर्द बना हुआ था, जिसे उन्होंने नजरअंदाज किया.'

रिकवरी के बाद सोते समय हुआ हादसा

डॉ. सिंह ने बताया कि हार्ट अटैक के काफी समय बाद अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों में 'कार्डियक रप्चर' जैसी गंभीर जटिलताओं का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ जाता है, जिससे अचानक मौत हो सकती है. हालांकि, इलाज के बाद राणा की सेहत में काफी सुधार हुआ था और आज उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया जाना था. लेकिन दुर्भाग्यवश, सोते समय अचानक उन्हें 'कार्डियक रप्चर' हुआ, जिसके कारण उनका निधन हो गया.

क्रिकेट में एक युग का अंत, इस महान क्रिकेटर ने लिया संन्यास, विराट कोहली से रहा है खास याराना

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को तत्काल प्रभाव से अलविदा कह दिया है। केन विलियमसन के नाम न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने का रिकॉर्ड है। संन्यास के साथ ही विलियमसन के 16 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया है। विलियमसन ने अपना आखिरी टेस्ट लॉर्ड्स में खेला जिसमें न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक बयान में विलियमसन ने कहा, मैंने इस बारे में कुछ समय से सोचा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में यह साफ हो गया है कि अब सही समय है। मैंने हमेशा इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए एक मजबूत इच्छा और भूख महसूस की है। मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने न्यूजीलैंड के लिए खेले गए हर मैच में अपना सब कुछ दिया है। इससे कम कुछ भी

जारी रखना सही नहीं होगा और मैं अपनी शर्तों पर पीछे हटने के लिए खुशकिस्मत महसूस कर रहा हूं। विलियमसन ने कहा, मैं इस बात को लेकर सकारात्मक महसूस कर रहा हूं कि यह ग्रुप कहां जा रहा है। इसमें बहुत सारा टैलेंट है और इस न्यूजीलैंड टीम के साथ कुछ खास करने की सच्ची इच्छा है। यह एक ऐसी टीम है जिसे मैं प्यार करता हूं, और मैं इतने लंबे समय तक इसका हिस्सा बनकर बहुत खुशकिस्मत महसूस करता हूं। यह मेरे दिल के बहुत करीब रहेगी। विलियमसन की भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली से खास जुगलबंदी रही है। दोनों अंडर-19 के दिनों से एक साथ मैदान पर उतरते रहे। 35 साल के विलियमसन ने 2010 में टेस्ट और वनडे में और 2011 में टी20 में डेब्यू किया था। तीनों फॉर्मेट मिलाकर विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने और सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर 378 मैचों की 452 पारियों में 48 शतक और 103 अर्धशतक की मदद से विलियमसन ने 19,346 रन बनाए। फॉर्मेट के हिसाब से देखें तो इस कीवी दिग्गज ने 110 टेस्ट की 195 पारियों में 33 शतक और 38 अर्धशतक लगाते हुए 9,515 रन बनाए। 175 वनडे की 167 पारियों में 15 शतक और 47 अर्धशतक लगाते हुए 7,256 रन बनाए। इसके अलावा, 93 टी20 की 90 पारियों में 18 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 2,575 रन बनाए। फॉर्मेट के हिसाब ने विलिमयसन टेस्ट में पहले, टी20 में दूसरे और वनडे में न्यूजीलैंड के चौथे सबसे सफल बल्लेबाज हैं। विलियमसन न्यूजीलैंड के सफलतम कप्तान भी रहे हैं। दाएं हाथ के इस धाकड़ बल्लेबाज ने 40 टेस्ट, 91 वनडे और 75 टी20 में न्यूजीलैंड की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में कीवी टीम ने 2019 वनडे विश्व कप का फाइनल खेली थी।

शाई होप की कप्तानी पारी वेस्टइंडीज ने पहले टी20 में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया

वेस्टइंडीज ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। किंगस्टन के सबीना पार्क में श्रीलंका से मिले 148 रनों के लक्ष्य को कैरेबियाई टीम ने 19.2 ओवर में आसानी से सिर्फ 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज टीम की शुरुआत दमदार रही। पहले विकेट के लिए कप्तान होप ने ब्रैंडन किंग के साथ मिलकर 6.2 ओवर में 67 रन जोड़े। किंग ने 22 गेंदों का सामना करते हुए 37 रनों की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे शिमरोन हेटमायर ने आगाज तो शानदार अंदाज में किया, लेकिन वह 9 गेंदों में 17 रन बनाने के बाद वानिंदु हसरंगा का शिकार बने। होप ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 54 गेंदों में 65 रनों की कप्तानी पारी खेली और वह टीम को जीत दिलाकर लौटे।

होप ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 2 छक्के लगाए। रोस्टन चेज ने 26 गेंदों में 16 रन बनाए, तो रोवमैन पॉवेल 6 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में श्रीलंका की ओर से सर्वाधिक 2 विकेट वानिंदु हसरंगा ने चटकाए। इससे पहले, श्रीलंका ने 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 147 रन लगाए।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वर्षीय नाम्या का पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने की अपील

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

12 जून (पुनीत महाजन)

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के संदर्भ में मात्र 4 वर्ष की नन्हीं बच्ची नाम्या ने समाज को एक प्रेरणादायक संदेश दिया है कि यदि हमें मानव जीवन, धरती और जीव-जंतुओं का भविष्य सुरक्षित रखना है तो पर्यावरण संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी बनाना होगा।

नाम्या ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि आज बढ़ते प्रदूषण, घटते हरित क्षेत्र और बदलते पर्यावरणीय संतुलन के बीच प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण के लिए कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए।

नाम्या का कहना है कि पेड़ केवल हरियाली नहीं देते, बल्कि शुद्ध वायु, जीवन, छाया और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य का आधार होते हैं। यदि आज हम पौधारोपण करेंगे तो कल हमारी धरती और सभी जीव-जंतु सुरक्षित रहेंगे।

इस अवसर पर राजबीर सिंह भारतीय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन, मनीमाजरा, चंडीगढ़ ने कहा कि बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता समाज के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे एक पेड़ माँ के नाम अभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें तथा इस संदेश को घर-घर और जन-जन तक पहुँचाएँ।

उन्होंने कहा कि यह केवल पौधारोपण का अभियान नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण देने का संकल्प है।

संदेश : प्रकृति को बचाना है, मानव जीवन को बचाना है, धरती के सभी जीव-जंतुओं को बचाना है – तो एक पेड़ माँ के नाम जरूर लगाएँ।

– राजबीर सिंह भारतीय
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस
वेलफेयर एसोसिएशन मनीमाजरा,
चंडीगढ़

मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर जिला स्तर पर हेल्पडेस्क स्थापित: कमरा नंबर 427, जिला प्रशासनिक परिसर

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

12 जून (संदीप सन्नी)

एडीसी गुरसिमरन सिंह ढिल्लों द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश में बताया गया है कि मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को मुख्य रखते हुए जिला स्तर पर एक विशेष हेल्पडेस्क स्थापित किया गया है। यह हेल्पडेस्क कमरा नंबर 427, ब्लॉक-बी, जिला प्रशासनिक परिसर, गुरदासपुर में कार्य करेगा, जिसका उद्देश्य एस.आई.आर. के दौरान चुनावी सेवाओं तक आम जनता की आसान पहुँच सुनिश्चित करना तथा सभी योग्य नागरिकों, विशेषकर दिव्यांग, प्रवासी और बुजुर्ग मतदाताओं की भागीदारी को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करना है।

हेल्पडेस्क पर मुख्य रूप से उपलब्ध होने वाली सेवाएं

दस्तावेजों व समय-सीमा की जानकारी : एस.आई.आर. की समय-सीमा, नया वोट (मतदाता पत्र) बनाने, संशोधन करने या वोट कटवाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना।

वर्ष 2003 के रिकॉर्ड से लिंकिंग : मतदाताओं को पिछले अंतिम एस.आई.आर. (वर्ष-2003) की मतदाता सूची के रिकॉर्ड के साथ खोजने और लिंक करने में सहायता प्रदान करना।

फॉर्म भरने में सहायता : मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म भरने और उसे ऑनलाइन या ऑफलाइन जमा करने में मदद करना।

प्रवासी मतदाताओं के लिए सुविधा : प्रवासी मतदाताओं को उनके वर्तमान और पिछले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान करने तथा सही स्थान पर उनका पंजीकरण सुनिश्चित करने में सहायता करना।

हेल्पलाइन और मोबाइल ऐप की जानकारी : नागरिकों व मतदाताओं को वोटर हेल्पलाइन नंबर-1950 और ऑल-इंक्लूसिव मोबाइल ऐप व उसकी विशेषताओं के बारे में सूचित करना, विशेष रूप से Book a Call with BLO फीचर के प्रति लोगों को जागरूक करना।

लापरवाही बरतने पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

एडिशनल जिला चुनाव अधिकारी ने हेल्पडेस्क और चुनावी ड्यूटी पर तैनात स्टाफ को सख्त हिदायत दी है कि उपरोक्त निर्देशों का अक्षरश: पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एस.आई.आर. के इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही, लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसा होने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ चुनाव नियमों के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

टीबीएस इंटरनेशनल स्कूल ने बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस मनाया

» प्रथम न्यूज । जीरा

12 जून (अंग्रेज बराड़)

फिरोजपुर-मोगा रोड पर स्थित टीबीएस इंटरनेशनल स्कूल ने अध्यक्ष डॉ. हीरालाल शर्मा, उपाध्यक्ष विभोर शर्मा, प्रबंध निदेशक दीपाली शर्मा और महासचिव शिवम शर्मा के मार्गदर्शन में बाल श्रम विरोधी विश्व दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस दिवस का उद्देश्य युवा पीढ़ी को बाल श्रम की समस्या और प्रत्येक बच्चे के अधिकारों की रक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इस दौरान, छात्रों को बाल अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई, जिनमें शिक्षा का अधिकार, शोषण से सुरक्षा का अधिकार, समानता का अधिकार और

सुरक्षित एवं स्वस्थ जीवन का अधिकार शामिल हैं। उन्होंने सीखा कि बचपन सीखने, खेलने और बढ़ने का समय है, न कि बाल श्रम और जबरन श्रम का। छात्रों ने भाषणों और चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने अधिकारों का आनंद लेने वाले बच्चों और जबरन श्रम में लगे बच्चों के बीच अंतर को उजागर किया। छात्रों ने यह भी बताया कि शिक्षा किस प्रकार जीवन बदल सकती है और बेहतर भविष्य के निर्माण में मदद कर सकती है। अपने विचार साझा करते हुए, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेखा पासी ने कहा कि बाल श्रम एक सामाजिक बुराई है, और प्रत्येक व्यक्ति को एक ऐसी दुनिया बनाने में योगदान देना चाहिए जहां सभी बच्चे स्वतंत्र, शिक्षित और सुरक्षित हों ताकि वे अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाकर देश की प्रगति में योगदान दे सकें!

एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर और गंभीर कार्डियक कंडीशन से पीड़ित महिला को नई जिंदगी मिली

» प्रथम न्यूज । अमृतसर

12 जून (जगमीत घुम्मन)

एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर, जो फेफड़ों तक फैल चुका था और गंभीर कार्डियक कंडीशन से पीड़ित 59 साल की महिला को लिवासा हॉस्पिटल, अमृतसर में सफल इलाज के बाद नई जिंदगी मिली।

महिला के बाएं ब्रेस्ट में एक गांठ थी। विस्तृत जांच से पता चला कि उसे ॥श्रऋ2-पॉजिटिव, हार्मोन रिसेप्टर-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर था, जो फेफड़ों तक फैल चुका था। उसे पहले से कोरोनरी आर्टरी डिजीज भी थी और उसकी कोरोनरी स्टेंटिंग भी हो चुकी थी। यह मामला इलाज के लिहाज़ से एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि उनके बाएं वेंट्रिकुलर इंजेक्शन फ्रैक्शन का स्तर केवल 18 प्रतिशत था। इससे स्टैंडर्ड एंटी- ॥श्रऋ2 टारगेटेड थेरेपी से जुड़े जोखिम काफी बढ़ गए थे, क्योंकि ये थेरेपी दिल की कार्यक्षमता को और खराब कर सकती हैं। ऑन्कोलॉजी, कार्डियोलॉजी, इमेजिंग स्पेशलिस्ट और क्रिटिकल केयर टीम ने मेडिकल ऑन्कोलॉजी कंसल्टेंट डॉ अमृतजोत सिंह रंधावा की देखरेख में एक खास तौर पर तैयार की गई इलाज की रणनीति बनाई।

डॉ रंधावा ने कहा कि मरीज़ की दिल की कमज़ोर हालत को देखते हुए, हमने नैनोपार्टिकल पैक्लिटैक्सेल कीमोथेरेपी के साथ-साथ गहन कार्डियक मॉनिटरिंग और बेहतर सपोर्टिव केयर का विकल्प चुना।

मरीज़ ने कीमोथेरेपी के चार चक्र सफलतापूर्वक पूरे किए और इलाज का बहुत अच्छा असर दिखा। बाद में की गई पीईटी-सीटी जांच से पता चला कि मेटाबोलिक रूप से बीमारी पूरी तरह ठीक हो गई है और बीमारी का कोई सक्रिय लक्षण नहीं बचा था। खास बात यह है कि दिल की गंभीर बीमारी के बावजूद, महिला ने बिना किसी बड़ी जटिलता के इलाज को बहुत अच्छी तरह से सहन किया।

गांव तंगोर में बाढ़ की सूचना मिलते ही अलर्ट मोड से प्रशासन ने किया बचाव व राहत का कार्य

» प्रथम न्यूज । शाहबाद

12 जून (बृज मोहन)

प्रदेश स्तरीय मॉक ड्रिल के अनुसार सुबह करीब 9 बजे गांव तंगोर में मारकंडा नदी के बरसाती पानी से ओवरफ्लो होने से बाढ़ की सूचना पर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में नजर आया और तुरन्त प्रभाव से बाढ़ की स्थिति से पैदा हुई आपदा के राहत कार्य में जुट गया। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बचाव व राहत कार्य में जुटी टीम को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के आदेश पर शाहाबाद एसडीएम शंभू राठी ने प्रभावित स्थल गांव तंगोर और गांव कलसाना में बनाए गए राहत कैम्प का दौरा करते हुए आपदा प्रबंधन का जायजा लिया। वहीं आपदा प्रबंधन के तहत हुई मॉक एक्सरसाइज की कंट्रोल रूम से हर पहलू पर नजर रखी। पूरी मॉक एक्सरसाइज की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई।

गांव तंगोर में आयोजित फ्लड मॉक एक्सरसाइज के दौरान भारी बारिश और मारकंडा नदी के पानी से बाढ़ की काल्पनिक स्थिति बनाकर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। मॉक सीनारियो के अनुसार मारकंडा नदी का पानी गांव तंगोर में घुस गया। जिसके चलते कई लोगों के बाढ़ में फंसने और घायल होने की सूचना मिली।

घटना के तुरंत बाद जिला प्रशासन ने इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर सक्रिय किया और एसडीआरएफ, पुलिस, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य एजेंसियों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाया। घायलों को सुरक्षित निकालकर राहत शिविर में पहुंचाया गया, जहां गंभीर घायलों का उपचार किया गया तथा अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद राहत केंद्र भेजा गया। राहत शिविरों में भोजन, पानी और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई तथा विभिन्न विभागों ने आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

एक नज़र

अमेरिकी बयान के बाद शेयर बाजार में जोरदार तेजी

नई दिल्ली (ब्यूरो): घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान के बाद निवेशकों की धारणा में सुधार हुआ, जिसका सीधा असर भारतीय बाजारों पर पड़ा। दिनभर के कारोबार में सेंसेक्स ने मजबूत रफ्तार दिखाई और प्रमुख सूचकांक नए ऊंचे स्तरों के करीब पहुंच गए। निफ्टी में आज 1.99 प्रतिशत यानी 461.30 अंकों की बढ़त दर्ज की गई और यह 23622.90 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स में भी भारी तेजी देखने को मिली और यह 2.30 प्रतिशत यानी 1695.40 अंकों की छलांग के साथ 75527.95 के स्तर पर बंद हुआ। इस तेजी ने निवेशकों को बड़ी राहत दी और बाजार में सकारात्मक माहौल बन गया। विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक संकेतों और अमेरिकी नेतृत्व के बयान के बाद वैश्विक बाजारों में भरोसा बढ़ा है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी साफ दिखाई दिया। बैंकिंग, आईटी और ऑटो सेक्टर के शेयरों में खासकर खरीदारी देखी गई, जिससे बाजार को मजबूत सपोर्ट मिला। दिनभर के कारोबार में शुरुआती सत्र से ही तेजी का रुख देखने को मिला। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा, निवेशकों की खरीदारी बढ़ती गई और बाजार लगातार ऊपर चढ़ता गया। विदेशी निवेशकों की सक्रिय भागीदारी ने भी बाजार को मजबूती दी। विश्लेषकों का कहना है कि इस तरह की तेजी वैश्विक संकेतों और निवेशकों की भावना पर निर्भर करती है। आने वाले दिनों में बाजार की दिशा अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम और घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। इस तेजी ने उन निवेशकों को राहत दी है, जिन्होंने हाल के उतार-चढ़ाव के बीच बाजार में निवेश बनाए रखा था। अब बाजार की नजर आगे आने वाली आर्थिक घोषणाओं और वैश्विक संकेतों पर टिकी हुई है।

NEET यूजी में बड़ा बदलाव, अब 195 मिनट की होगी परीक्षा, रफ वर्क के लिए भी मिलेगी ज्यादा जगह

नई दिल्ली (ब्यूरो): मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET UG 2026 में शामिल होने वाले लाखों अभ्यर्थियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने परीक्षा प्रक्रिया को अधिक छात्र-अनुकूल, पारदर्शी और तनावमुक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की है। 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली परीक्षा में उम्मीदवारों को अब अतिरिक्त समय के साथ-साथ रफ वर्क के लिए भी ज्यादा जगह उपलब्ध कराई जाएगी।

अब 3 घंटे नहीं, 3 घंटे 15 मिनट की होगी परीक्षा

एनटीए के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, NEET UG 2026 की कुल अवधि बढ़ाकर 195 मिनट (3 घंटे 15 मिनट) कर दी गई है। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होगी और पहले की तरह शाम 5 बजे समाप्त होने के बजाय अब शाम 5:15 बजे तक चलेगी। एजेंसी का मानना है कि परीक्षा के दौरान उपस्थिति दर्ज कराने, बायोमेट्रिक सत्यापन, हस्ताक्षर और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में छात्रों का समय खर्च होता है। अतिरिक्त 15 मिनट मिलने से अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र हल करने के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा और उन पर समय का दबाव कम होगा।

प्रशासनिक प्रक्रियाओं से नहीं होगा नुकसान

हर साल बड़ी संख्या में उम्मीदवार शिकायत करते थे कि परीक्षा के दौरान होने वाली औपचारिकताओं के कारण उनका ध्यान भंग होता है और महत्वपूर्ण मिनट बर्बाद हो जाते हैं। इसी को देखते हुए एनटीए ने परीक्षा अवधि में वृद्धि का फैसला लिया है ताकि छात्रों को यह महसूस न हो कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं की वजह से उनके उत्तर लिखने का समय कम हो रहा है।

रफ वर्क के लिए बढ़ाई गई जगह

एनटीए ने छात्रों की एक और प्रमुख मांग को स्वीकार करते हुए प्रश्नपत्र बुकलेट में रफ वर्क के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। विशेष रूप से फिजिक्स और केमिस्ट्री के न्यूमेरिकल सवालों में लंबी गणनाओं के लिए अधिक जगह मिलने से अभ्यर्थियों को सुविधा होगी। पहले कई छात्र सीमित स्थान के कारण बुकलेट के किनारों पर रफ वर्क करने को मजबूर होते थे, जिससे गलतियों की संभावना बढ़ जाती थी। नए बदलाव के बाद उम्मीदवार व्यवस्थित तरीके से गणना कर सकेंगे।

निष्पक्ष और तनावमुक्त परीक्षा पर जोर

एनटीए ने कहा है कि इन बदलावों का उद्देश्य परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा को बनाए रखते हुए छात्रों को बेहतर परीक्षा अनुभव प्रदान करना है। एजेंसी के अनुसार, परीक्षा की शुचिता से समझौता किए बिना उम्मीदवारों के लिए अधिक सुविधाजनक और तनावमुक्त माहौल तैयार करना प्राथमिकता है।

21 जून को होगी परीक्षा

NEET UG 2026 का आयोजन 21 जून 2026 को देश और विदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। एनटीए ने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे नई समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारी और मॉक टेस्ट की रणनीति तैयार करें।

डीडी नगर में हॉस्पिटल के पीछे गांजा बेचते युवक गिरफ्तार

रायपुर (ब्यूरो): डीडी नगर में हॉस्पिटल के पीछे गांजा बेचते युवक गिरफ्तार हो गया है, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सायबर सेल एवं थाना डीडी नगर की संयुक्त टीम को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 11.06.2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ओजस अस्पताल के पीछे अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश कर रहा है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए सायबर सेल एवं थाना डीडी नगर की संयुक्त टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। कार्यवाही के दौरान संदेही को पकड़कर पूछताछ एवं तलाशी ली गई, जिसमें उसके कब्जे से कुल 2.580 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1,29,000/- है।

ट्रंप का दावा: ईरान ने परमाणु समझौते के ढांचे को दी मंजूरी, अमेरिका ने रद्द किए हमले

» प्रथम न्यूज । वॉशिंगटन
12 जून (एजेंसी)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ईरान पर होने वाले अमेरिकी हमलों को रद्द कर दिया है। उनका कहना है कि तेहरान के साथ बातचीत ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व स्तर तक पहुंच गई है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के नेतृत्व ने अमेरिका के साथ समझौते के ढांचे को मंजूरी दे दी है। इसके तहत तेहरान को हमेशा के लिए परमाणु हथियार हासिल करने से रोका जाएगा। उन्होंने इसे कई हफ्तों के तनाव और संघर्ष के बाद एक बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया। हालांकि, यह भी स्पष्ट किया किअमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी अभी भी जारी रहेगी।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ बातचीत ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व स्तर तक पहुंच चुकी है और वहां से मंजूरी भी मिल गई है। इसलिए, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति होने के नाते तय किए गए हमलों और बमबारी को रद्द कर रहा हूं। यह घोषणा ट्रंप के पहले दिए गए उस कड़े बयान से बिल्कुल अलग थी, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि अमेरिका रात में ईरान पर 'बहुत जोरदार हमला' करेगा। यह सब ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका ईरान के तेल निर्यात और समुद्री गतिविधियों पर लगातार दबाव बनाए हुए है।

ट्रंप ने कहा कि बातचीत अब आखिरी चरण में है बस समझौते पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर होने हैं। दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। ट्रंप ने संकेत दिया कि संघर्ष के बाद तेहरान में एक नया नेतृत्व समूह उभरकर सामने आया है। ट्रंप ने कहा कि हमने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष को खत्म करने की दिशा में एक बहुत अच्छा समझौता किया है। अब सिर्फ दस्तावेजों को अंतिम रूप देना बाकी है, जो अगले कुछ दिनों में पूरा हो जाना चाहिए। हमारे पास ऐसा समझौता है जिससे ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बना सकेगा। यही पूरा मकसद था जिसके लिए हमें यह सब करना पड़ा। जब उनसे पूछा गया कि क्या ईरान के सर्वोच्च नेता ने इस व्यवस्था को मंजूरी दे दी है, तो ट्रंप ने जवाब दिया, मेरी जानकारी के अनुसार, जवाब हां है।

ट्रंप ने कहा कि बातचीत और अंतिम बिंदुओं को सिद्धांत और विस्तार दोनों स्तरों पर सभी पक्षों ने मंजूरी दे दी है। इनमें अमेरिका, इजरायल, सऊदी अरब, यूएई, कतर, तुर्की, पाकिस्तान, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, मिस्र और अन्य देश शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने प्रस्तावित समझौते या बातचीत के मुद्दों के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि बातचीत जारी रहने के दौरान अमेरिका ईरान पर अपना समुद्री दबाव बनाए रखेगा।

ट्रंप ने कहा कि जब तक यह समझौता पूरी तरह अंतिम रूप नहीं ले लेता, तब तक नौसैनिक नाकेबंदी पूरी तरह लागू रहेगी। समझौते पर हस्ताक्षर कब और कहां होंगे, इसकी घोषणा जल्द की जाएगी। राष्ट्रपति का कहना था कि हाल के सैन्य दबाव की वजह से ईरान इस समझौते के लिए तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा है। वे जानते हैं कि यह समझौता उनके लिए कितनी अहमियत रखता है। ट्रंप ने दावा किया कि संघर्ष के दौरान ईरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि उनकी नौसेना खत्म हो चुकी है, उनकी वायुसेना खत्म हो चुकी है, उनकी हवाई रक्षा प्रणाली खत्म हो चुकी है, सब कुछ खत्म हो गया है। अब वे समझदारी दिखाते हुए समझौता करने जा रहे हैं। अपने पूरे बयान में ट्रंप बार-बार इस बात पर जोर देते रहे कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना ही बातचीत का मुख्य उद्देश्य था। उन्होंने कहा, ईरान किसी भी तरह, किसी भी रूप में परमाणु हथियार न रखेगा और न ही खरीदेगा। यह एक शानदार समझौता है क्योंकि उनके पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होगा।

IndiGo फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, टेकऑफ से पहले रोकी गई उड़ान, यात्रियों में मचा हड़कंप

» प्रथम न्यूज । लखनऊ
12 जून (ब्यूरो)

लखनऊ से दिल्ली के लिए रवाना होने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2111 को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विमान को टेकऑफ से पहले रोक लिया और उसकी गहन जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, इंडिगो की यह फ्लाइट शुक्रवार को लखनऊ से दिल्ली के लिए निर्धारित थी। उड़ान भरने से ठीक पहले विमान में सुरक्षा से जुड़ा संभावित खतरा सामने आया, जिसके बाद स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत संबंधित एजेंसियों को तुरंत सूचित किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और विमान की विस्तृत तलाशी ली गई। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक जांच प्रक्रियाएं अपनाई गईं। जांच पूरी होने और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद ही विमान को दिल्ली के लिए रवाना किया जाएगा। इस संबंध में इंडिगो के प्रवक्ता ने बयान जारी करते हुए कहा कि 12 जून 2026 को लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई 2111 में टेकऑफ से ठीक पहले सुरक्षा से जुड़ा एक संभावित खतरा सामने आया। निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचित किया गया और आवश्यक सुरक्षा जांच में पूरा सहयोग किया जा रहा है। आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद विमान अपनी दिल्ली यात्रा पूरी करेगा। प्रवक्ता ने आगे कहा कि यात्रियों को हुई असुविधा के लिए कंपनी खेद व्यक्त करती है और उन्हें समय-समय पर अपडेट देने के साथ-साथ जलपान जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यात्रियों, चालक दल और विमान की सुरक्षा इंडिगो की सर्वोच्च प्राथमिकता है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मामले की जांच जारी है और खतरे की वास्तविकता का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अमरनाथ यात्रा: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की उच्चस्तरीय बैठक, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 जून (ब्यूरो)

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। अमित शाह ने कहा कि हम केंद्र सरकार के नेतृत्व में अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सर्वोच्च सुरक्षा और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। बैठक में फैसला लिया गया कि यात्रा मार्ग पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से बहुस्तरीय अभेद्य सुरक्षा ग्रिड तैयार किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को ज्यादा मजबूत बनाने के लिए ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक सर्विलांस सिस्टम और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जाएगा। साथ ही पारंपरिक सुरक्षा तंत्र को भी और मजबूत किया जाएगा। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि यात्रा के दौरान केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न शिविर स्थलों पर मौजूद रहकर सुरक्षा और व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करें। इसके अलावा श्रद्धालुओं के पंजीकरण, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा प्रबंधन जैसी सभी जरूरी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में यह भी तय किया गया कि यात्रा से जुड़े स्थानीय लोगों और यात्रा में उपयोग होने वाले पशुओं का पंजीकरण किया जाएगा। सभी को क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविर भी लगाए जाएंगे। मौसम को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के जत्थों को आगे बढ़ाने की व्यवस्था की जाएगी। मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान के आधार पर ही यात्रियों को आगे जाने की अनुमति मिलेगी। साथ ही अमरनाथ यात्रा मार्ग के अलावा जम्मू-कश्मीर के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी और 9 अगस्त यानी रक्षाबंधन के दिन इसका समापन होगा। यात्रा के लिए पंजीकरण अनिवार्य है, जिसे श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड और अधिकृत बैंकों के माध्यम से कराया जा सकता है।

बिहार में बड़ा हादसा : तेज रफ्तार कार की ट्रक से भीषण टक्कर, तीन थाना प्रभारी समेत चार लोगों की मौत

» प्रथम न्यूज । बेगूसराय
12 जून (ब्यूरो)

बिहार के बेगूसराय जिले में शुक्रवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में मधेपुरा जिले के तीन थाना प्रभारी भी शामिल थे। फिलहाल, पुलिस ने इस हादसे की जांच शुरू कर दी है। जानकारी सामने आई कि तेज रफ्तार कार ने एक ट्रक में पीछे से जबरदस्त टक्कर मारी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका आधा हिस्सा ट्रक के पिछले हिस्से में फंस गया। घटना साहेवपुर कमाल थाना क्षेत्र के बखड्डा स्थित एनएच 31 के पास की है।

बताया जा रहा है कि कार में चार पुलिसकर्मी थे, जिसमें तीन मधेपुरा जिले में तैनात तीन थाना प्रभारी भी थे। वे पटना से एकदिवसीय प्रशिक्षण लेकर एक ही गाड़ी में सवार होकर मधेपुरा जिला लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और ट्रक से पीछे से टकरा गई। इस घटना के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही बेगूसराय एसपी मनीष कुमार और सदर डीएसपी आनंद पांडेय समेत भारी संख्या में पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे। मृतकों की पहचान साजन पासवान रतवारा थाना प्रभारी, नीरज कुमार बेलारी थाना प्रभारी, ज्ञानेंद्र अमरेंद्र आरर थाना प्रभारी और निजी कार चालक ज्योतिष कुमार के रूप में की गई है। दो थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र व नीरज कुमार और ड्राइवर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक थाना प्रभारी साजन पासवान को स्थानीय लोगों ने घायल अवस्था में सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान कुछ ही देर के बाद मौत हो गई। इस तीन पुलिस अधिकारी समेत चार की मौत की खबर लगते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। इस घटना के संबंध में बेगूसराय पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि देर रात ये हादसा हुआ है। इसमें चार लोगों की मौके पर मौत हो गई है, जिसमें तीन पुलिस अधिकारी और एक ड्राइवर शामिल थे। उन्होंने बताया कि घटना रात करीब 12.30 बजे हुई। उन्होंने कहा कि घटना की जांच चल रही है। पोस्टमार्टम किया जा रहा है और सभी कानूनी प्रक्रियाओं और नियमों का पालन किया जा रहा है।

पाकिस्तानी हैंडलर्स से संपर्क रखने के मामले में नईम अब्दुल्ला को भोपाल ATS ने सहारनपुर से किया गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । सहारनपुर
12 जून (ब्यूरो)

भोपाल एटीएस की टीम ने यूपी एटीएफ व यूपी एसटीएफ की टीम के साथ मिलकर नानौता कस्बे से 38 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एटीएस भोपाल की टीम आरोपित को अपने साथ लेकर भोपाल निकल गई है। स्थानीय स्तर पर टीम का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर ने कार्रवाई को गोपनीय बताया। बताया जा रहा है कि आरोपित युवक किसी पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में था।

नानौता कोतवाली में शुक्रवार की शाम को चार बजे भोपाल एटीएस के प्रभारी राहुल कुमार शर्मा यूपी एटीएस व एसटीएफ की टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने इंस्पेक्टर ज्ञानेश्वर बौद्ध को एक व्यक्ति के बारे में जानकारी दी। जिसके बाद स्थानीय पुलिस एटीएस व एसटीएफ की टीम के साथ मुहल्ला अफगानान में पहुंचे और यहां से 38 वर्षीय नईम अब्दुल्ला पुत्र मुस्तफा को गिरफ्तार किया।

टीम प्रभारी के अनुसार नईम अब्दुल्ला किसी पाकिस्तानी हैंडलर से संपर्क में था और भोपाल एटीएस पिछले काफी समय से उसके इंटरनेट मीडिया एकाउंट पर नजर रखे थे।

टीम ने आरोपित व उसके तीन स्वजन के मोबाइलों को कब्जे में लिया। जिसके बाद तीन मोबाइलों की जांच कर वापस कर दिया गया।

आरोपित का मोबाइल अपने पास जांच के लिए रख लिया। वहीं आरोपित के कमरे से कई धार्मिक साहित्य व किताब भी बरामद हुई। जिसको टीम ने अपने कब्जे में ले लिया। आरोपित के मोबाइल में महत्वपूर्ण जानकारी होने का दावा किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि भोपाल में पहले से दर्ज एक मुकदमे में नईम अब्दुल्ला को सह-आरोपित भी बनाया गया था। वहीं आरोपित पाकिस्तान से किसी के संपर्क में था। उसी मामले के सिलसिले में यह कार्रवाई की गई। टीम प्रभारी ने बताया कि कई राज्यों में एक साथ छापेमारी चल रही है, इसलिए विस्तृत जानकारी अभी नहीं दी जा रही है ताकि आपरेशन प्रभावित न हो। वहीं इस अचानक छापेमारी और गिरफ्तारी की खबर फैलते ही पूरे नानौता नगर में खलबली मच गई। स्थानीय लोग घटना को लेकर हैरान हैं। मोहल्लेवासियों का कहना है कि उक्त व्यक्ति ज्यादातर अपने घर के अंदर ही रहता था।

आरोपित को किसी ने भी मुहल्ले में बात करते हुए नहीं देखा। थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेश्वर बौद्ध ने बताया कि यूपी एटीएस व एसटीएफ टीम के साथ भोपाल एसटीएफ आई थी। कस्बे के मुहल्ला अफगानान से नईम अब्दुल्ला नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है।

पहले प्रेम विवाह फिर गोली मारकर कर की हत्या, दरभंगा में चौंकाने वाली घटना

» प्रथम न्यूज । दरभंगा
12 जून (ब्यूरो)

बिहार में दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर पश्चिमी गांव में चचेरे भाई शिशिर भारद्वाज से प्रेम विवाह करने वाली साक्षी कुमारी (24) की ससुराल में गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना गुरुवार की देर शाम की बताई जा रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद पति सहित ससुराल के सभी लोग फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपितों की खोज में छापेमारी करने में जुटी है। एफएसएल की टीम भी पहुंचकर साक्ष्य को सुरक्षित किया। मामले को लेकर साक्षी के ब्रह्मपुर पश्चिमी गांव निवासी पिता इंजीनियर नीलेश भारद्वाज ने हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है।

उधर, पोस्टमार्टम दौरान शुक्रवार को साक्षी के पिता सहित स्वजन डीएमसीएच के एफएमटी (फोरेंसिक मेडिसिन एंड टाक्सिकोलाजी) विभाग पहुंचे। जहां पिता नीलेश भारद्वाज ने अपने दामाद शिशिर को पुराना अपराधी बताया। कहा कि वह पूर्व में जेल जा चुका है। उस पर हत्या का मुकदमा दर्ज है। उसी ने दहेज प्रताड़ना में साक्षी को गोली मारकर हत्या की है। अन्य ससुरालियों पर भी उन्होंने गंभीर आरोप लगाया है।

उन्होंने बताया कि फरीदाबाद से बार-बार पढ़ाई के लिए दरभंगा आने-जाने में साक्षी की जान-पहचान दो वर्ष पूर्व शिशिर से हुई। इसी में दोनों में प्रेम हो गया। इसके बाद दोनों ने कोर्ट मैरिज कर लिया।

शादी के एक महीने बाद ही साक्षी को सास, ससुर, ननद आदि दहेज के लिए उलाहना देने लगी। फिर ससुराल वाले मारपीट करने लगे। सभी 20 लाख रुपये दहेज की मांग कर रहे थे। दहेज नहीं देने पर जान से मार देने की धमकी दे रहे थे।

मुखिया चुनाव की तैयारी कर रही थी साक्षी

पीजी स्टूडेंट साक्षी कुमारी पढ़ लिखकर सफल कैरियर बनाना चाहती थी। लेकिन, गांव के रिश्ते में भाई लगने वाले शिशिर से लव मैरिज करने के बाद भी फरीदाबाद की आधुनिक आबोहवा में पली-बढ़ी साक्षी की महत्वाकांक्षा कम नहीं हुई। अपने कैरियर के लिए ही वो शादी के दो वर्ष बाद भी मां नहीं बनी थी। बताया जाता है कि वो ब्रह्मपुर पश्चिमी पंचायत से मुखिया चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही थी।

इसके लिए कदम चौक पर टीवी-मोबाइल शाप संचालक पति शिशिर कुमार भी पत्नी का स्पोर्ट कर रहे थे। इंटरनेट मीडिया सहित अन्य प्लेटफार्म के जरिए पंचायत के लोगों के सामने साक्षी दावेदारी प्रस्तुत करने में जुटी थी। बताया जाता है कि इसके लिए साक्षी जी-तोड़ मेहनत कर रही थी। इस कार्य में शिशिर और उसके दोस्तों टीम की मददगार बने थे। बहरहाल साक्षी की मौत से उसके सपने अधूरे रह गए है।

MAGGI में कीड़े, KFC में गंदगी! FSSAI ने Nestlé समेत इन बड़े ब्रांड्स को भेजा नोटिस

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 जून (ब्यूरो)

देश में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर बढ़ती शिकायतों के बीच भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने कई बड़ी खाद्य कंपनियों और बिजनेस ऑपरेटर्स के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई शिकायतों और उपभोक्ताओं की नाराजगी को गंभीरता से लेते हुए रेगुलेटर ने कई मामलों में नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

मैगी के पैकेट में कथित तौर पर मिले कीड़े: हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें मैगी के पैकेट के अंदर कथित तौर पर कीड़े और अन्य जीव दिखाई देने का दावा किया गया। मामले ने तूल पकड़ने के बाद स्न्सस्द्ध ने नेस्ले इंडिया से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। प्राधिकरण ने कंपनी से प्रभावित बैच की गुणवत्ता जांच रिपोर्ट, सप्लाई चेन से संबंधित

जानकारी, वेंडर का विवरण और संबंधित उत्पादों को बाजार से हटाने के लिए उठाए गए कदमों का पूरा ब्यौरा देने को कहा है।

KFC आउटलेट पर स्वच्छता नियमों के उल्लंघन का आरोप: दूसरे मामले में आंध्र प्रदेश के एलुरु स्थित एकचस्न्रष्ट आउटलेट को नोटिस जारी किया गया है। शिकायतों में आउटलेट पर साफ-सफाई की कमी, खाद्य पदार्थों के अनुचित रखरखाव, कचरा प्रबंधन में लापरवाही और कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता मानकों का पालन न करने के आरोप लगाए गए हैं। FSSAI ने आउटलेट प्रबंधन से इन सभी आरोपों पर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं, संबंधित कंपनी ने कहा है कि मामले की आंतरिक जांच कराई जा रही है और नियामक संस्था को पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।